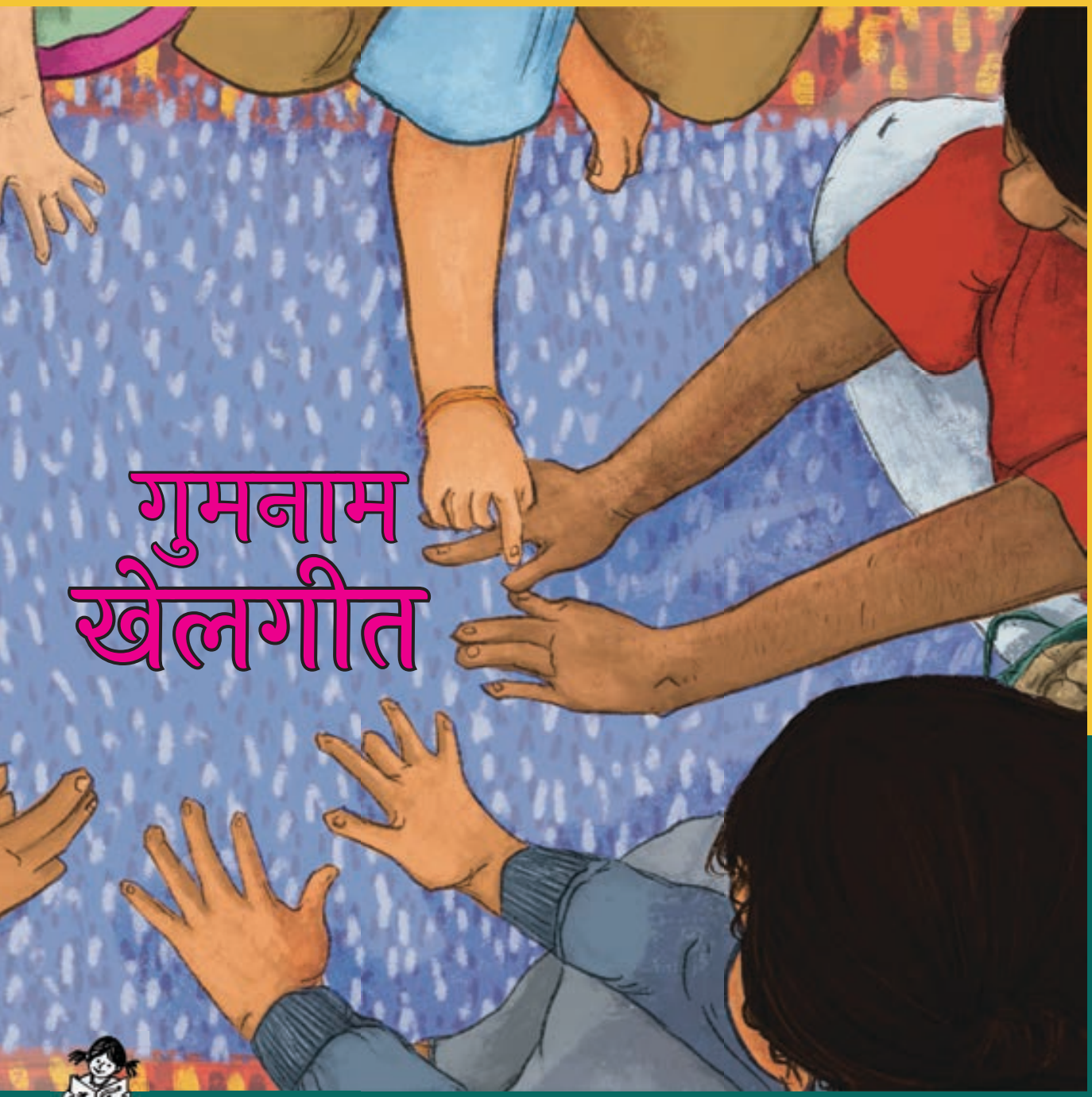

गुमनाम खेलगीत

दस्तावेज़ीकरण अंकुर लेखक समूह
चित्र पूजा के मेनन

एकलव्य

गुमनाम खेलगीत

दस्तावेज़ीकरण
अंकुर लेखक समूह
लावण्या, सिद्धि, इच्छा, प्रिया, काजल, लक्ष्मी, सौरभ,
योगेश, चंदन, श्रुति, महक, सागर, पायल, रितिका,
ज्योति, ईशा कौर, प्रिया, रितु, गुनगुन

चित्र
पूजा के मेनन

एकलव्य

अंकुर
सोसायटी फॉर
ऑल्टरनेटिव्ज़
इन एजुकेशन

गुमनाम खेलगीत
GUMNAAM KHELGEET

दस्तावेज़ीकरण: लावण्या, सिद्धि, इच्छा, प्रिया, काजल, लक्ष्मी, सौरभ, योगेश, चंदन, श्रुति, महक, सागर, पायल, रितिका, ज्योति, ईशा कौर, प्रिया, रितु, गुनगुन

चित्र: पूजा के मेनन

डिज़ाइन: इशिता देबनाथ विस्वास

परिकल्पना व सम्पादन: कुलविन्द्र कौर व प्रभात कुमार झा

भाषा सम्पादन: सीमा व कविता तिवारी

दस्तावेज़ीकरण: अंकुर लेखक समूह, मई 2023

यह किताब क्रिएटिव कॉमन्स के Attribution-Non-Commercial-NoDerivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) लाइसेंस के अन्तर्गत है जिसका पूरा विवरण https://creativecommons.org/licenses/by-nc-nd/4.0/ पर उपलब्ध है।

इस किताब का उपरोक्त के समान क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस के तहत गैर-व्यावसायिक उद्देश्यों हेतु बिना बदलाव के मुफ्त वितरण के लिए उपयोग किया जा सकता है। ऐसा करते हुए मूल स्रोत के रूप में अंकुर लेखक समूह और एकलव्य का ज़िक्र करना और उन्हें सूचित करना आवश्यक होगा। अन्य किसी भी प्रकार के उपयोग के लिए प्रकाशक के ज़रिए अंकुर लेखक समूह से अवश्य सम्पर्क करें।

पराग इनिशिएटिव टाटा ट्रस्ट के वित्तीय सहयोग से विकसित

पहला संस्करण: मई 2023 (3000 प्रतियाँ)
कागज़: 100 gsm मैपलिथो व 250 gsm एफबीबी (कवर)
ISBN: 978-93-94552-90-6
मूल्य: ₹ 110.00

प्रकाशक:

एकलव्य फाउंडेशन
जमनालाल बजाज परिसर
जाटखेड़ी, भोपाल - 462 026 (मप्र)
फोन: +91 755 297 7770-71-72
ईमेल: books@eklavya.in
वेबसाइट: www.eklavya.in

अंकुर सोसाइटी फॉर ऑल्टरनेटिव्ज़ इन एजुकेशन
76, नेशनल पार्क, लाजपत नगर IV
नई दिल्ली 110 024
फोन: +91 11 465 52197
ईमेल: ankur.societyforeducation@gmail.com
वेबसाइट: www.ankureducation.net

मुद्रक: आदर्श प्रा लि, भोपाल; फोन: +91 755 255 5442

भूमिका

ये ऐसे खेलगीत हैं जो शहरों में बच्चे खेलते हुए गाते हैं या इन्हें गाते हुए खेलते हैं। ऐसे गीत बचपन के बाद गुम होते चले जाते हैं। इतने कि ये भूमिगत हो जाते हैं।

कोरोनाकाल में रहना भूमिगत रहने की तरह ही था। जब राहत मिलती दिखे तो नाक-मुँह पर मास्क लगाए अपने बिल से निकलो। ऐसे मुश्किल दौर में ये भूमिगत गीत ही बच्चों के साथी बने – खेल न सही, गीत ही सही। सिर्फ गाने से ही शरीर स्फूर्ति से भर नहीं जाता क्या! लगता, गोया बाहर खेल रहे हों। और जैसे ही मामला थोड़ा और खुला, गली को मैदान बनाकर गीतों के साथ बच्चे ऐक्शन में आ गए।

वे दिन फुरसत के भी तो थे। याद कीजिए कि तब क्या-क्या खेलते थे, और क्या अब भी हम खेल या गा सकते हैं?

आइए, हम इन खेलगीतों को यादों से खोदकर बाहर निकालें। जब ये ज़मीन के ऊपर आएँगे तो हम पाएँगे कि हमने इन्हें कहीं न कहीं ज़रूर सुना है। हम यह भी पाएँगे कि ये गुमनाम खेलगीत सार्वभौमिक भी हैं। 'रैप-गीत' की तरह ये गीत भी एक खास लय-ताल पर चलते हैं। कई बार ये गीत बगैर किसी अर्थ के मौखिक संस्कृति का पीछा करते हैं और बाज़दफा तो अपने निहित मर्म को छोड़ आगे बढ़ जाते हैं।

हम शुक्रिया कह रहे हैं रेवती टेरेसा मथाई, रविकांत, जोज़फ़ मथाई, मनोज मोहन, लख्मी चंद कोहली, शशि चौहान और शर्मिला भगत को, जिन्होंने खेलगीतों के इस संकलन को पढ़कर और सँवारकर आप सभी तक पहुँचाया।

1. अंकलजी नमस्ते

अंकलजी नमस्ते
छोले खाओ सस्ते
पानी पियो ठण्डा
सर पे मारो डण्डा

2. काँच की प्लेट में

काँच की प्लेट में थे दो अण्डे
एक अण्डा फूट गया कल था संडे

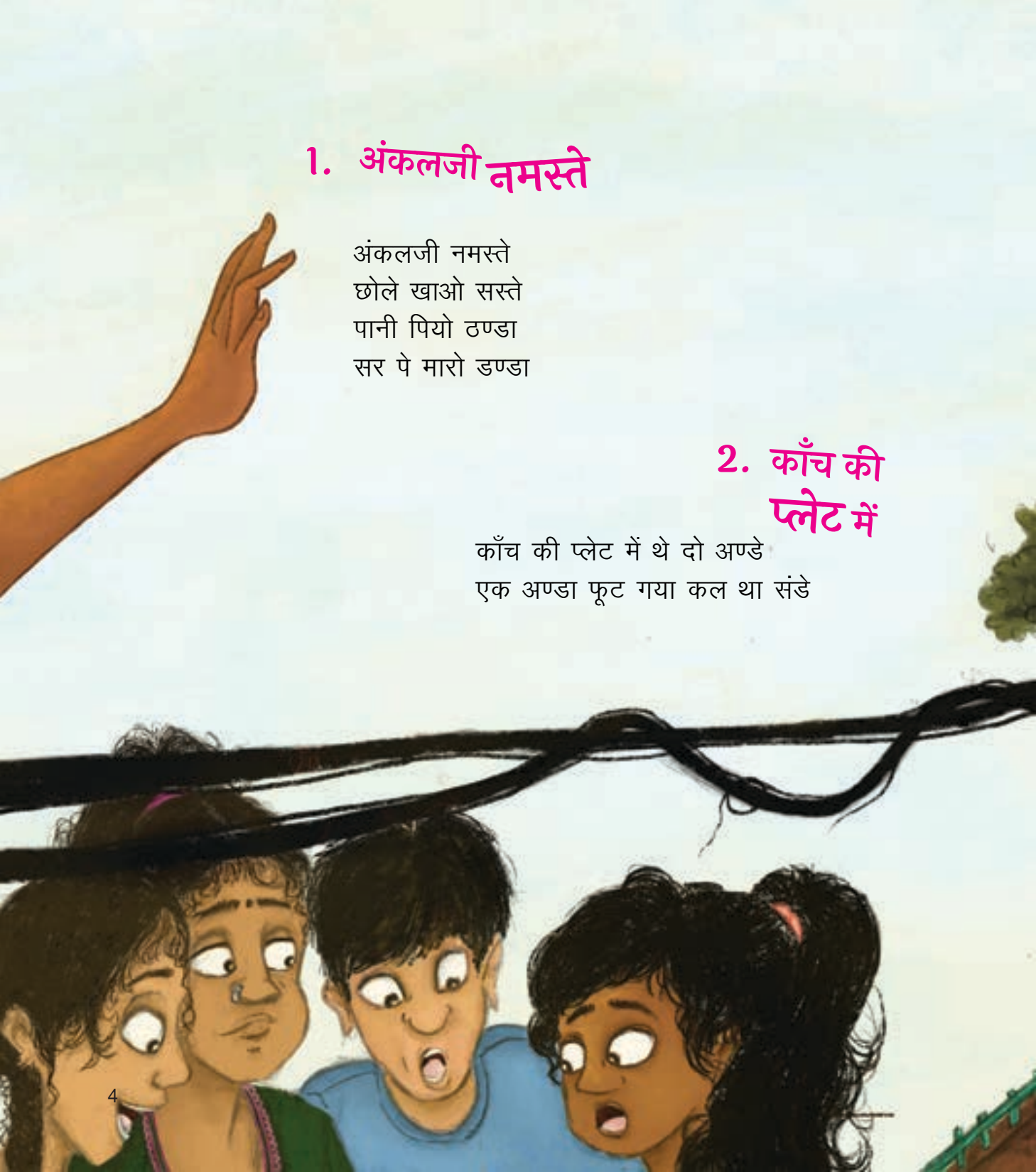

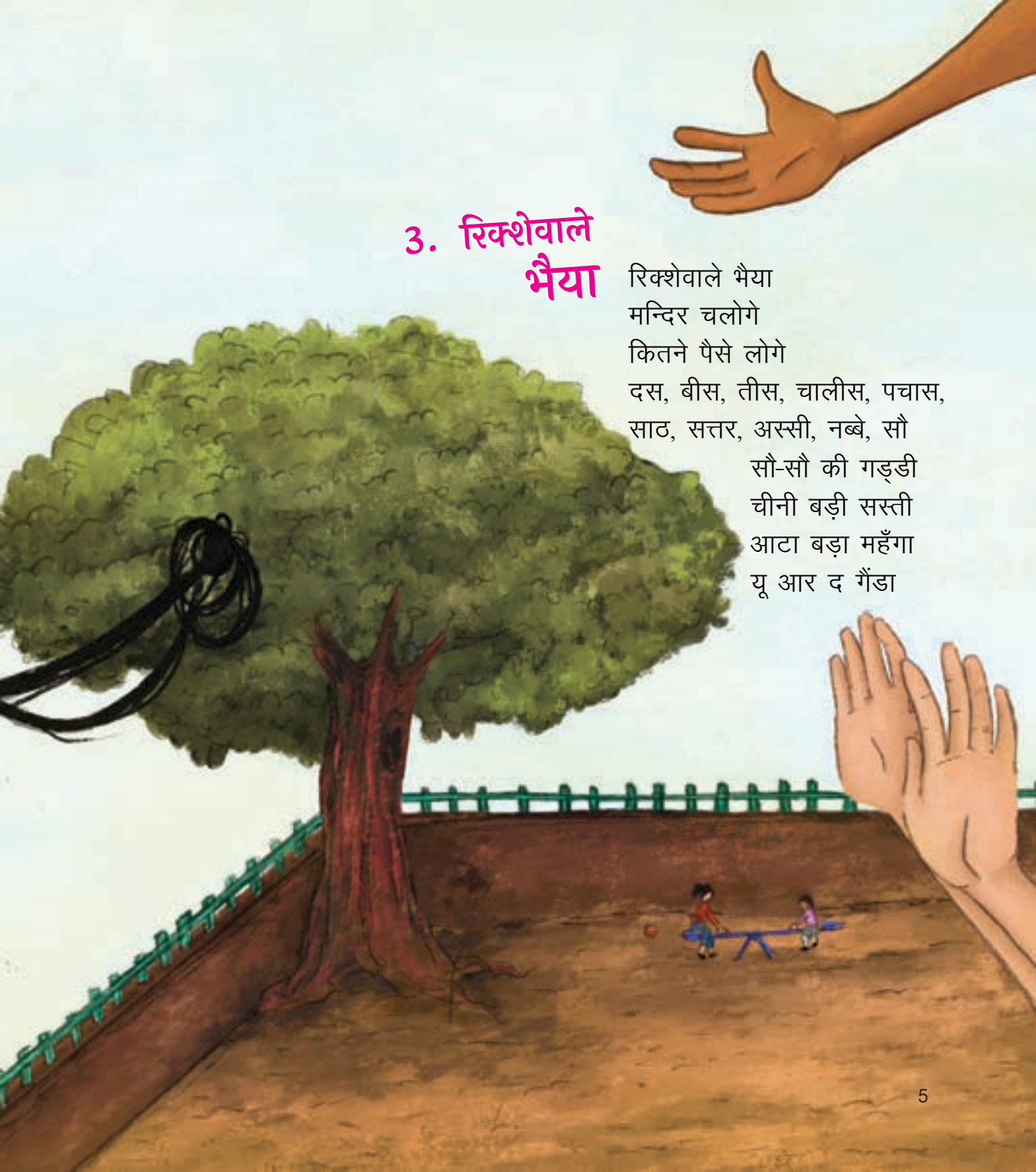

3. रिक्शेवाले भैया

रिक्शेवाले भैया
मन्दिर चलोगे
कितने पैसे लोगे
दस, बीस, तीस, चालीस, पचास,
साठ, सत्तर, अस्सी, नब्बे, सौ
सौ-सौ की गड्डी
चीनी बड़ी सस्ती
आटा बड़ा महँगा
यू आर द गैंडा

4. ईच पीच प्ले पम

ईच पीच प्ले पम
चूज़ योर बेस्ट फ्रेंड

5. बबल गम बबल गम

बबल गम बबल गम
कितनी बबल गम खाओगे

6. इस दुनिया में तेरा दोस्त

इस दुनिया में तेरा दोस्त कौन है
तू उसे कैसे ढूँढेगा
उसका नाम क्या होगा

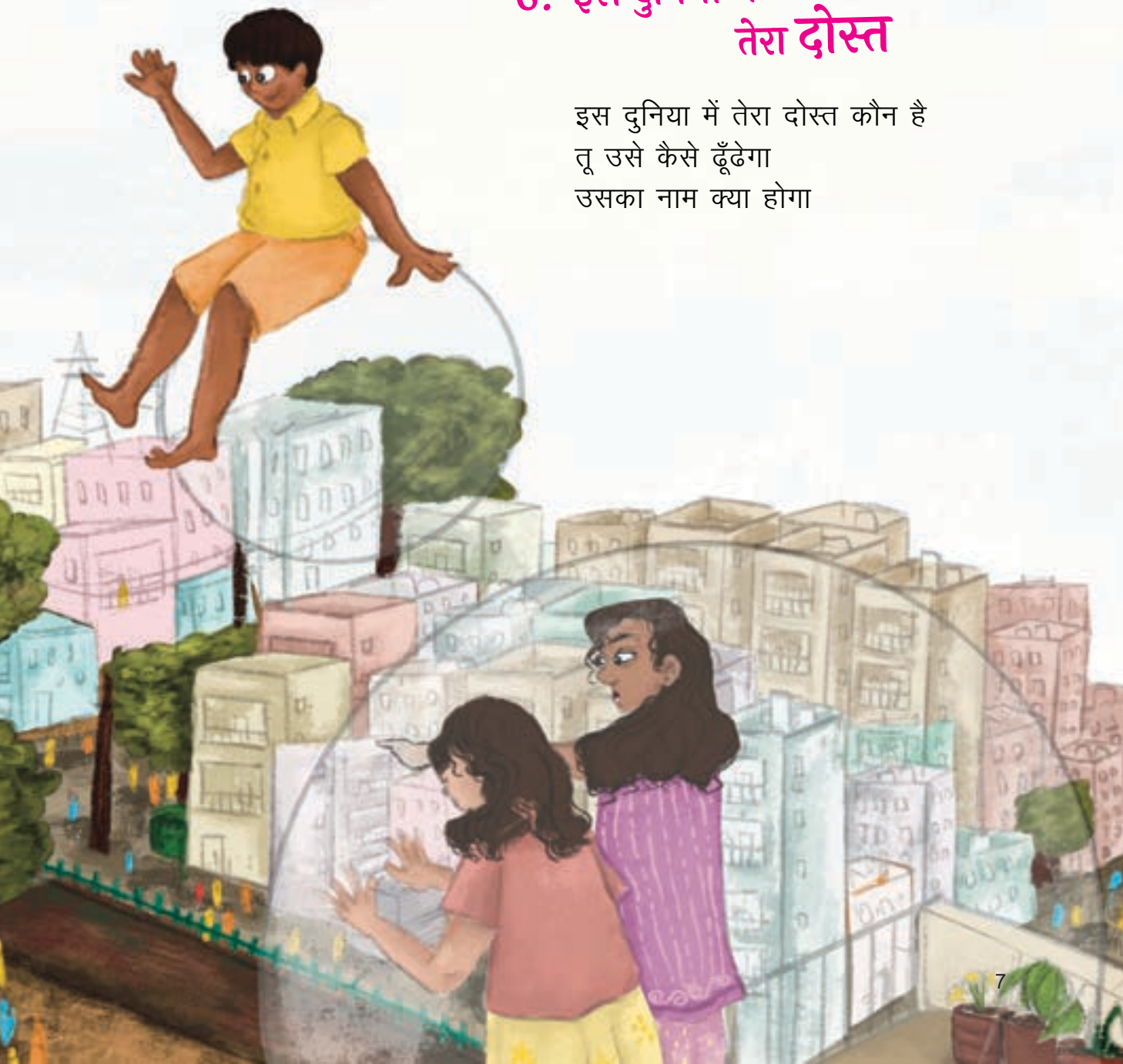

7. एक, दो, तीन फिर चार, पाँच, छह

एक, दो, तीन फिर चार, पाँच, छह
एक नाक, दो आँख, दो हाथ, दो पैर, उँगलियाँ दस
और सर पर बाल अनेक
एक, दो, तीन फिर चार, पाँच, छह
सात, आठ, नौ और फिर दस
गिनो अपनी उँगलियों पर बस

8. आजू कूचा

आजू कूचा, आजू कूचा
हाथ बाहर, हाथ बाहर
अँगूठा ऊपर, अँगूठा ऊपर
आजू कूचा, आजू कूचा
आजू कूचा, आजू कूचा...
हाथ बाहर, हाथ बाहर
कोहनी ऊपर, कोहनी ऊपर
आजू कूचा, आजू कूचा
आजू कूचा, आजू कूचा...
हाथ बाहर, हाथ बाहर
घुटने नीचे, घुटने नीचे
आजू कूचा, आजू कूचा
आजू कूचा, आजू कूचा...

9. काँच की प्लेट में

काँच की प्लेट में नींबू का अचार
खाओ भाई खाओ, है बहुत मज़ेदार

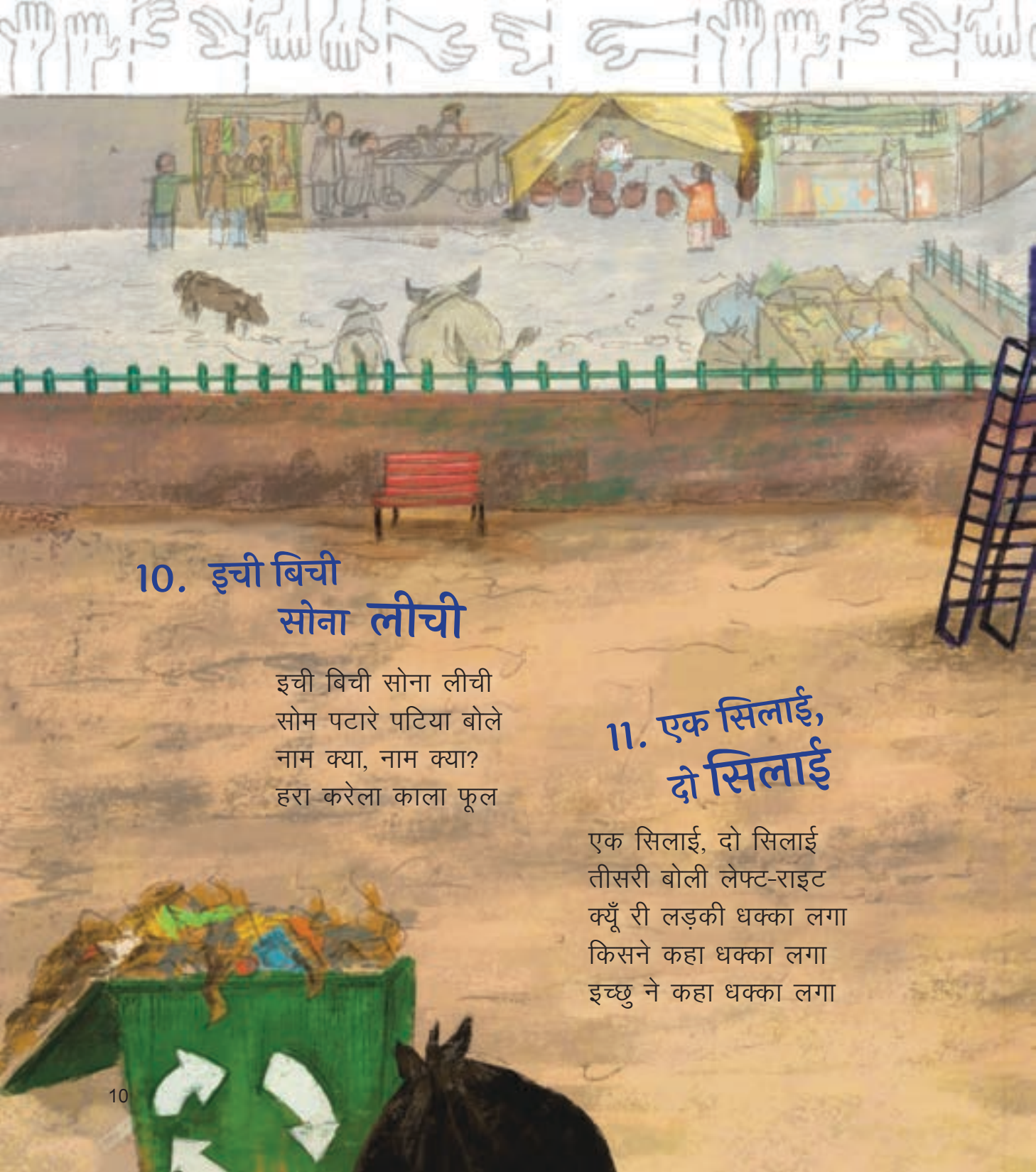

10. इची बिची सोना लीची

इची बिची सोना लीची
सोम पटारे पटिया बोले
नाम क्या, नाम क्या?
हरा करेला काला फूल

11. एक सिलाई, दो सिलाई

एक सिलाई, दो सिलाई
तीसरी बोली लेफ्ट-राइट
क्यूँ री लड़की धक्का लगा
किसने कहा धक्का लगा
इच्छु ने कहा धक्का लगा

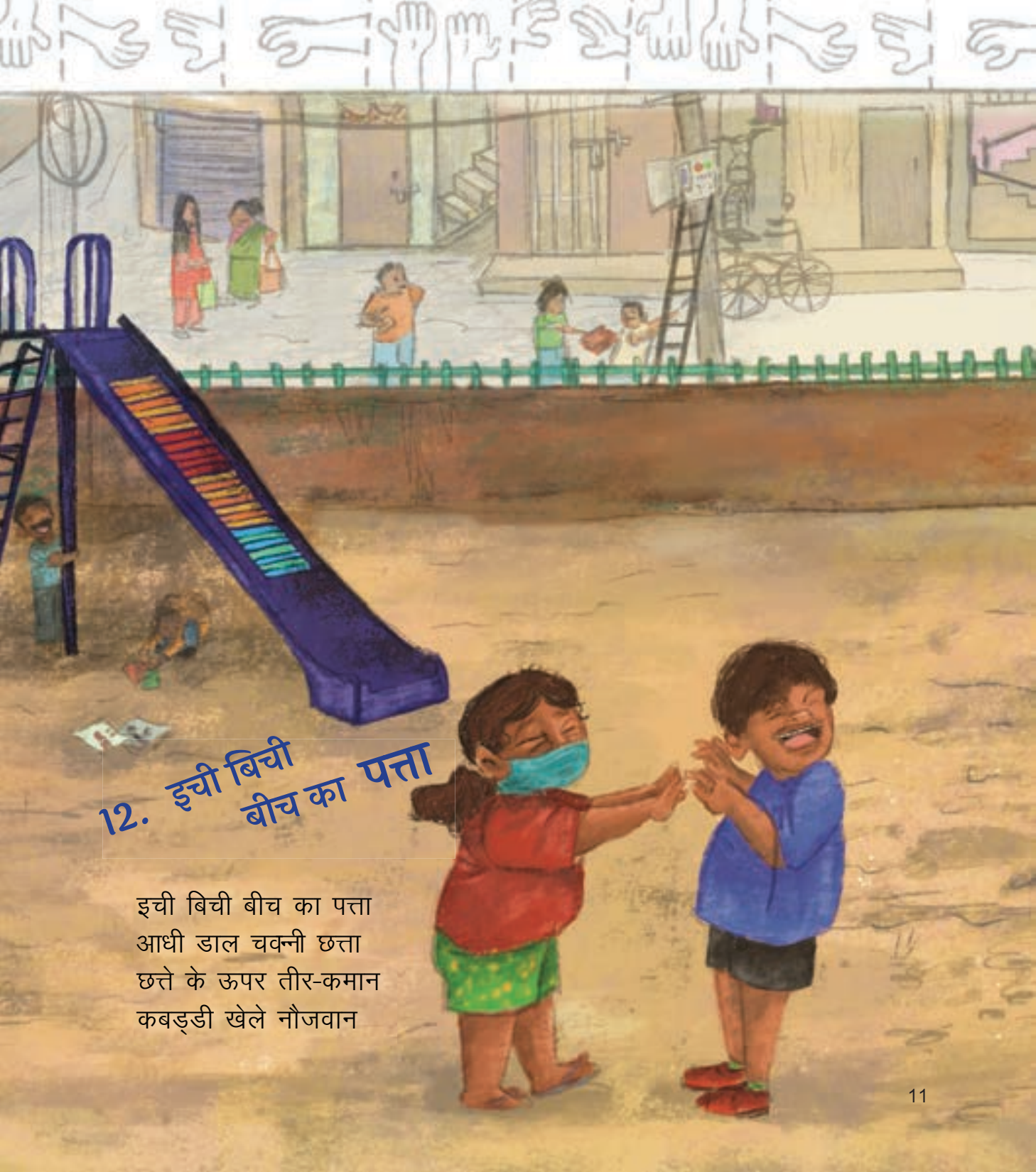

12. इची बिची बीच का पत्ता

इची बिची बीच का पत्ता
आधी डाल चवन्नी छत्ता
छत्ते के ऊपर तीर-कमान
कबड्डी खेले नौजवान

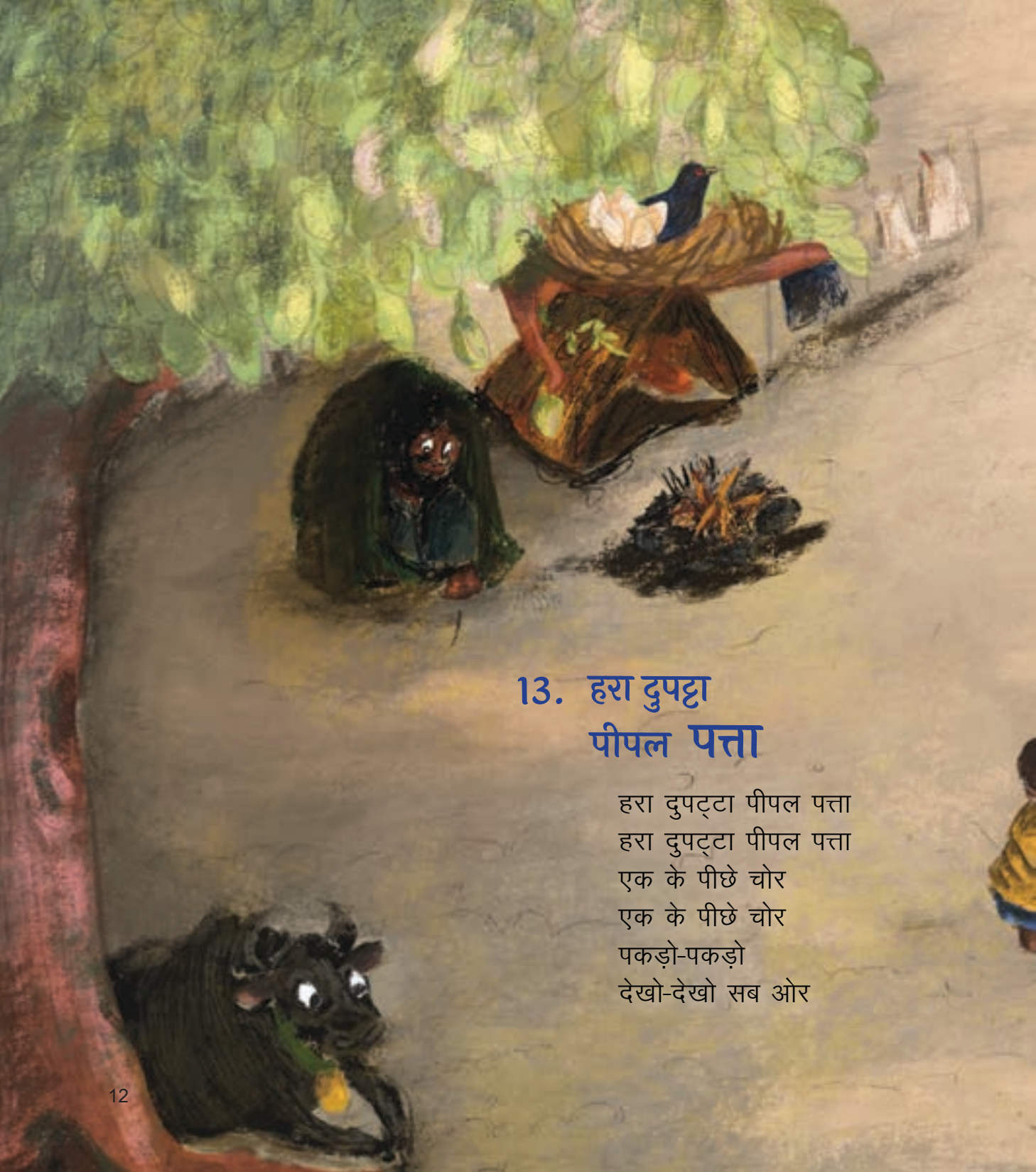

13. हरा दुपट्टा
पीपल पत्ता

हरा दुपट्टा पीपल पत्ता
हरा दुपट्टा पीपल पत्ता
एक के पीछे चोर
एक के पीछे चोर
पकड़ो-पकड़ो
देखो-देखो सब ओर

14. एक लड़की

एक लड़की धूप में बैठी रो रही
जिसका साथी कोई नहीं
उठो सहेली
आँसू पोंछो
अपना साथी ढूँढ लो

15. कोकिला छिपके

कोकिला छिपके जुमे रात आई है
जो भी आगे-पीछे देखे
उसकी शामत आई है

16. क्विक-क्विक किसकी क्विक

क्विक-क्विक किसकी क्विक
मेरी क्विक किसके नेम
कलर्स नेम
ब्लू, रेड, ऑरेंज, व्हाइट
चेंज प्लीज़, अगेन प्लीज़
किसके नेम
फ्रूट नेम
मैंगो, ऑरेंज, बनाना, एप्पल

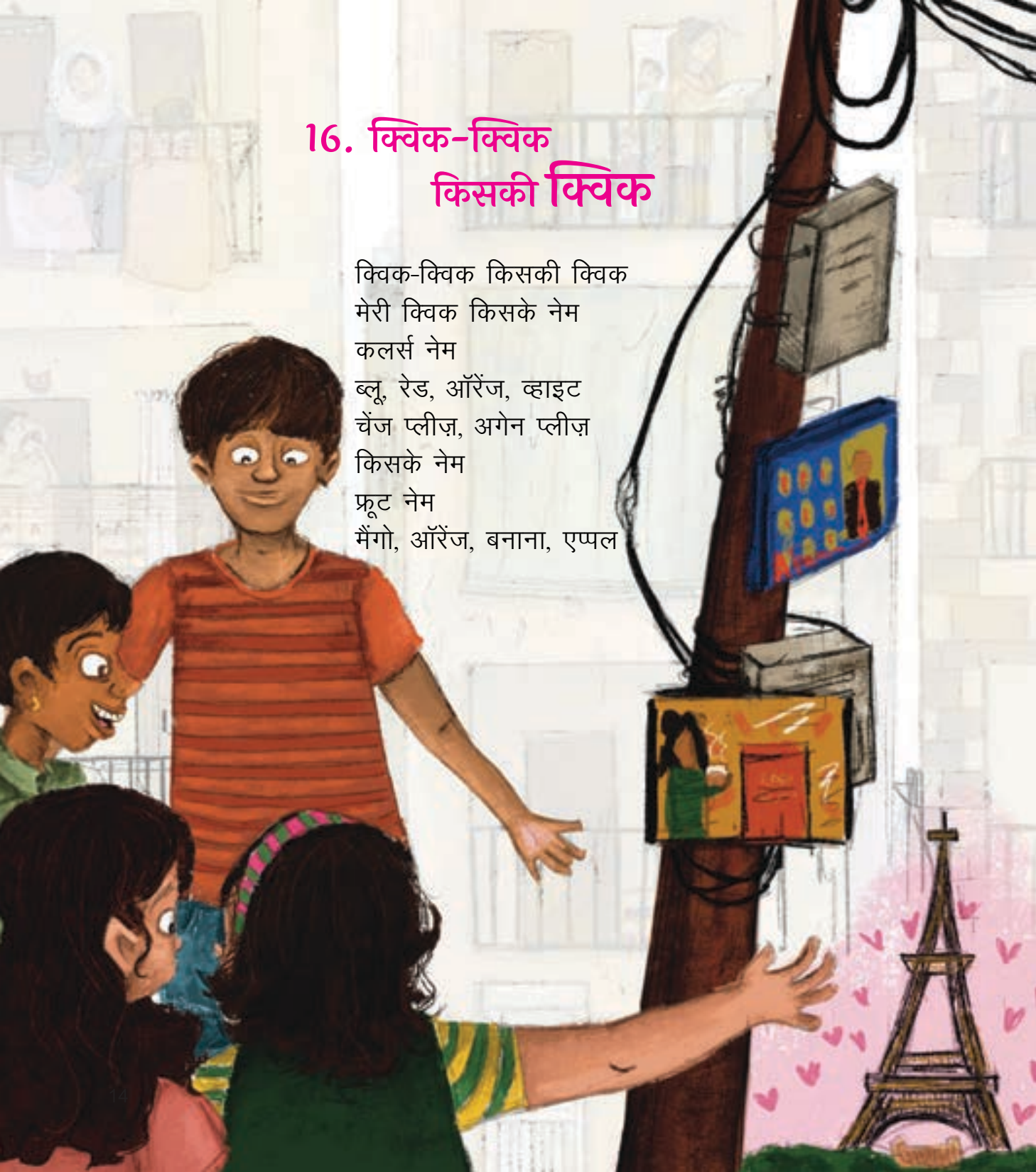

17. वी आर टू गो टू

वी आर टू गो टू इन द पेरिस
वन अ पेरिस
टू अ पेरिस
थ्री अ पेरिस
फोर अ पेरिस
ऑन द गेस्ट बेबी
बेबी ऑन द गेस्ट
फ्रूट्स नेम
प्लीज़ चेंज बेबी
प्लीज़ चेंज

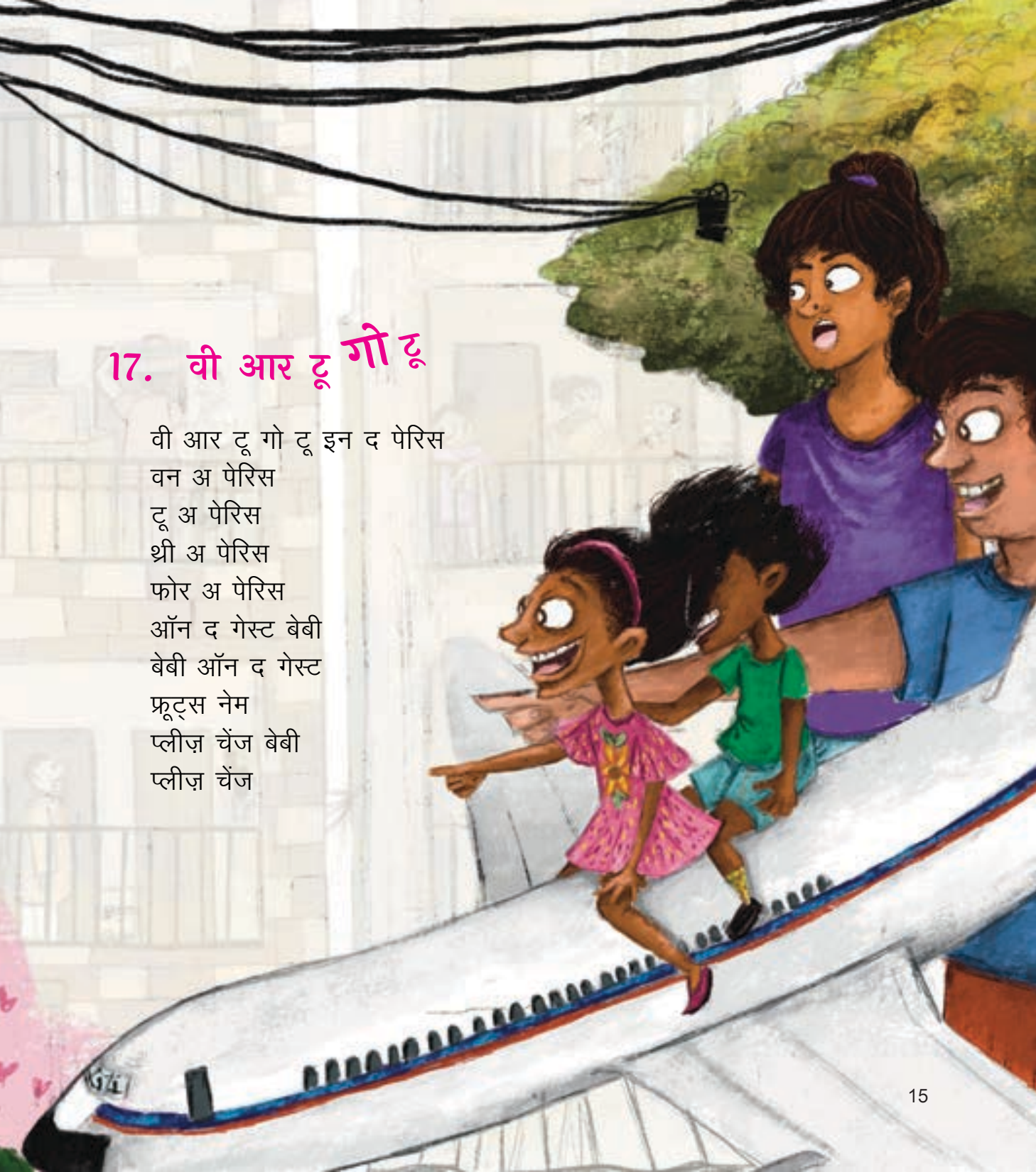

18. चिकनी थी सड़क

चिकनी थी सड़क
दिल गया धड़क
जिसमें बैठा था पंजाबी
जिसके होंठ थे गुलाबी
पी से पैरट
पैरट माने तोता
तोता गया बाज़ार
क्या देखा? रसगुल्ला
रसगुल्ले में रस नहीं
दो रुपए की बस नहीं
बस में बैठी रेखा
शाहरुख खान ने देखा
देखा है पहली बार
साजन की आँखों में प्यार

19. बस के नीचे केला

बस के नीचे केला
रामजी का मेला
मेले में जाएँगे
रसमलाई खाएँगे
रसमलाई अच्छी
हमने खाई मच्छी
मछली में काँटा
तेरा-मेरा चाँटा
चाँटा लगा ज़ोर से
हमने खाए समोसे
समोसे में आलू
नाना बड़े चालू

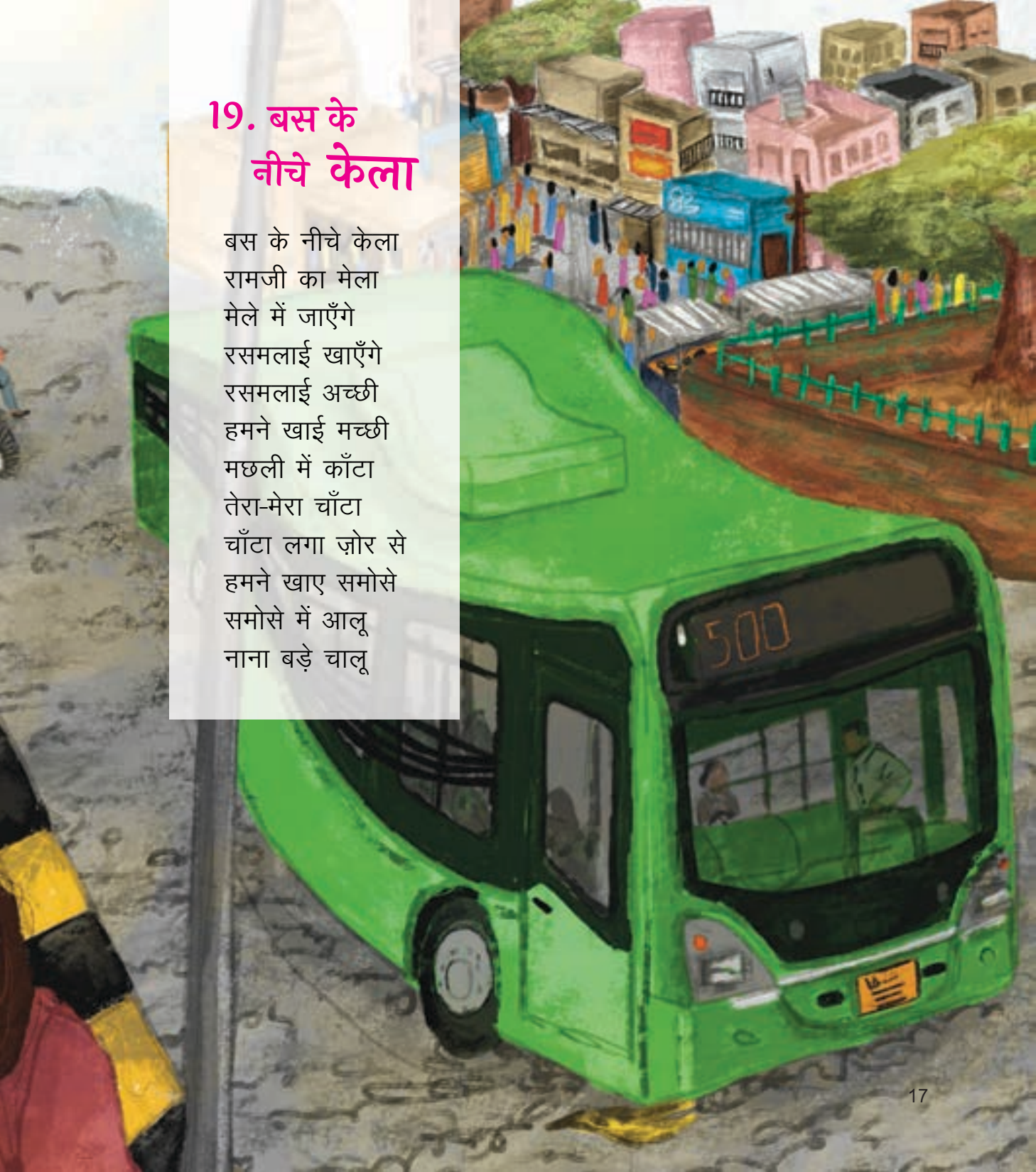

20. ऊँच-नीच का पापड़ा

ऊँच-नीच का पापड़ा
गधे ने मारा झापड़ा
ऊँचा चाहिए या नीचा?

21. गुड़ चिपक-चिपक

गुड़ चिपक-चिपक
मक्खी भिनक-भिनक

22. कटी पतंग
तेरा कौन-सा रंग

कटी पतंग
तेरा कौन-सा रंग?
लोहा-लक्कड़
तेरा कौन-सा ढंग?

23. हरा समन्दर
गोपी चन्दर

हरा समन्दर
गोपी चन्दर
बोल मेरी रानी
क्या है कहानी
बोल मेरी मछली
कितना पानी?

24. बूढ़ी अम्मा

बूढ़ी अम्मा, बूढ़ी अम्मा कहाँ जा रही हो?
बेटा, नदी किनारे
नदी तो छोटी-सी है
पैसे डालो बड़ी हो जाएगी
ये तो अभी भी छोटी है
और पैसे डालो और बड़ी हो जाएगी
यहाँ का ताला तोड़ूँगी
मम्मी को बुलाएँगे
यहाँ का ताला तोड़ूँगी
पापा को बुलाएँगे
यहाँ का ताला तोड़ूँगी
तोड़ दो, तोड़ दो
बेटा-बेटा रोटी बना लूँ
बना लो
बेटा-बेटा कपड़े धो लूँ
धो लो
बेटा-बेटा कपड़े सुखा लूँ
सुखा लो
बेटा-बेटा मेरा घी लेकर आ जाओ
मेरे हाथ में मेहँदी लगी है
मेरे पैरों में दर्द है
चलो, मैं ही जा रही हूँ

सब बच्चों ने खाना खा लिया
मेरा खाना किसने खाया
बिल्ली ने
बिल्ली मेरे साथ थी
चूहे ने
चूहा मेरे साथ था
हमने खाया

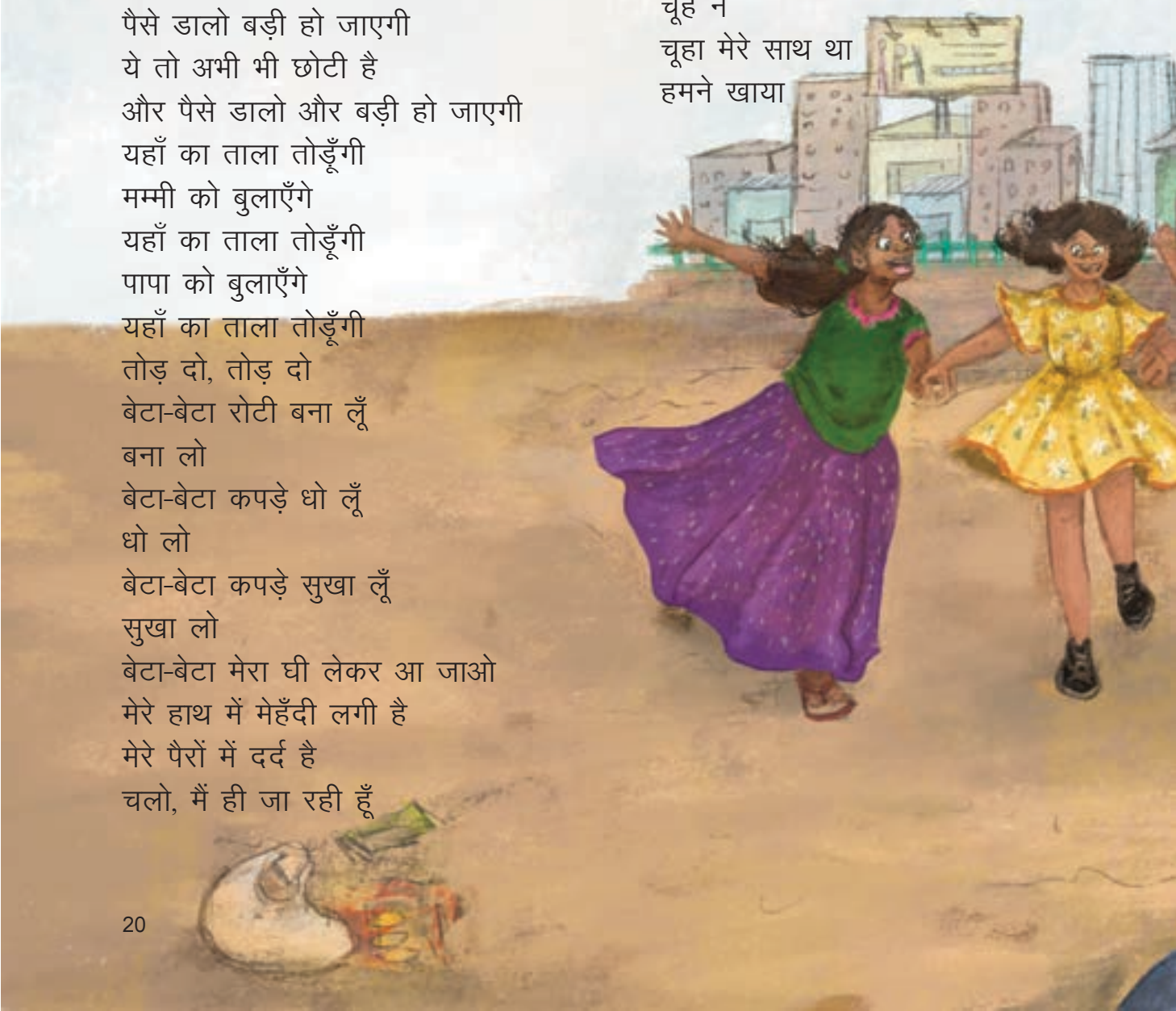

25. छब्बीस जनवरी

हाथ हवा में
हिला के बोलो
छब्बीस जनवरी
छब्बीस जनवरी

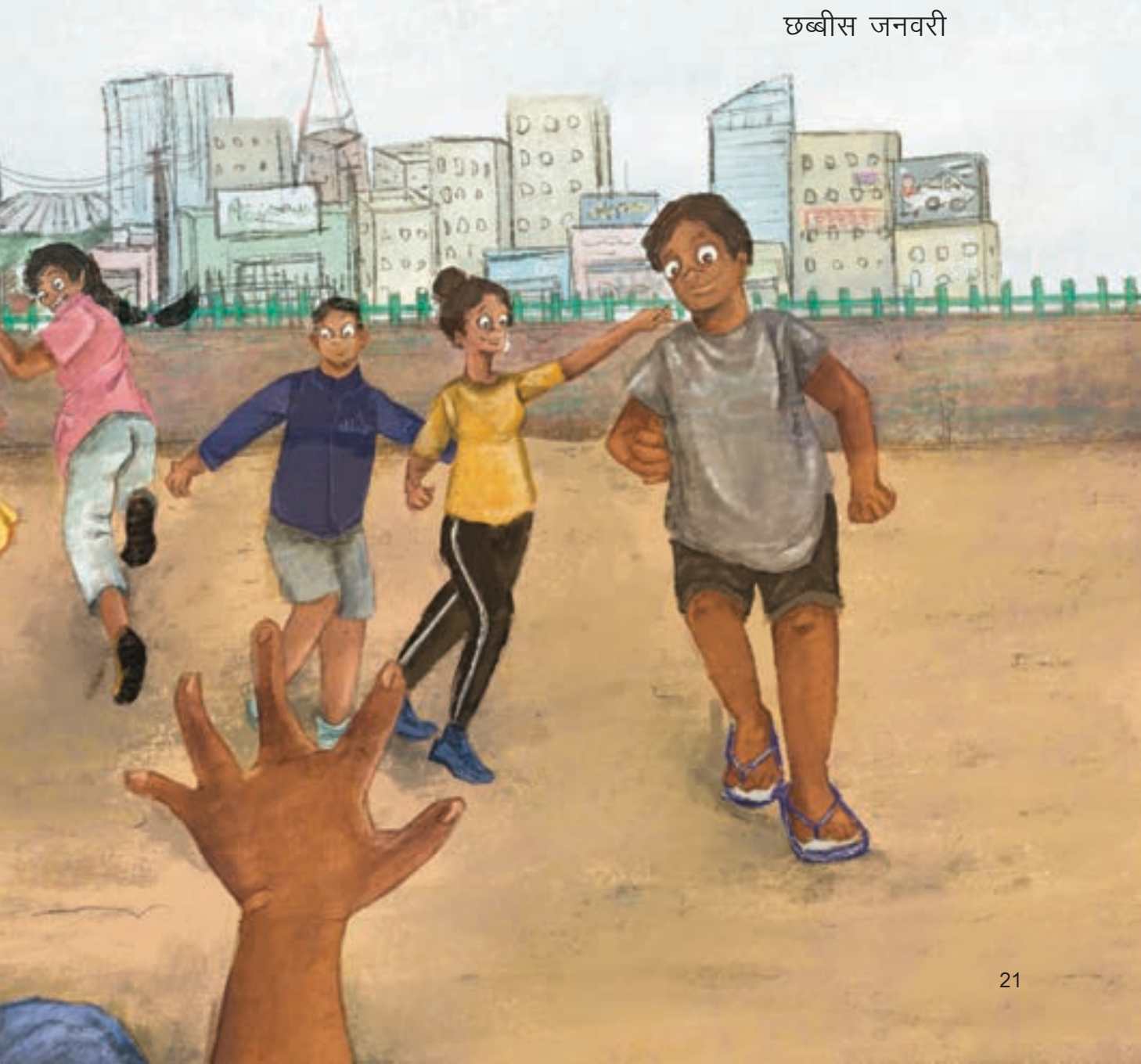

26. अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो

अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो
अस्सी, नब्बे पूरे सौ
सौ में लागा धागा
चोर निकलकर भागा
चोर को जाने दो
डफली बजाने दो
डफली में तोता
रामजी का पोता

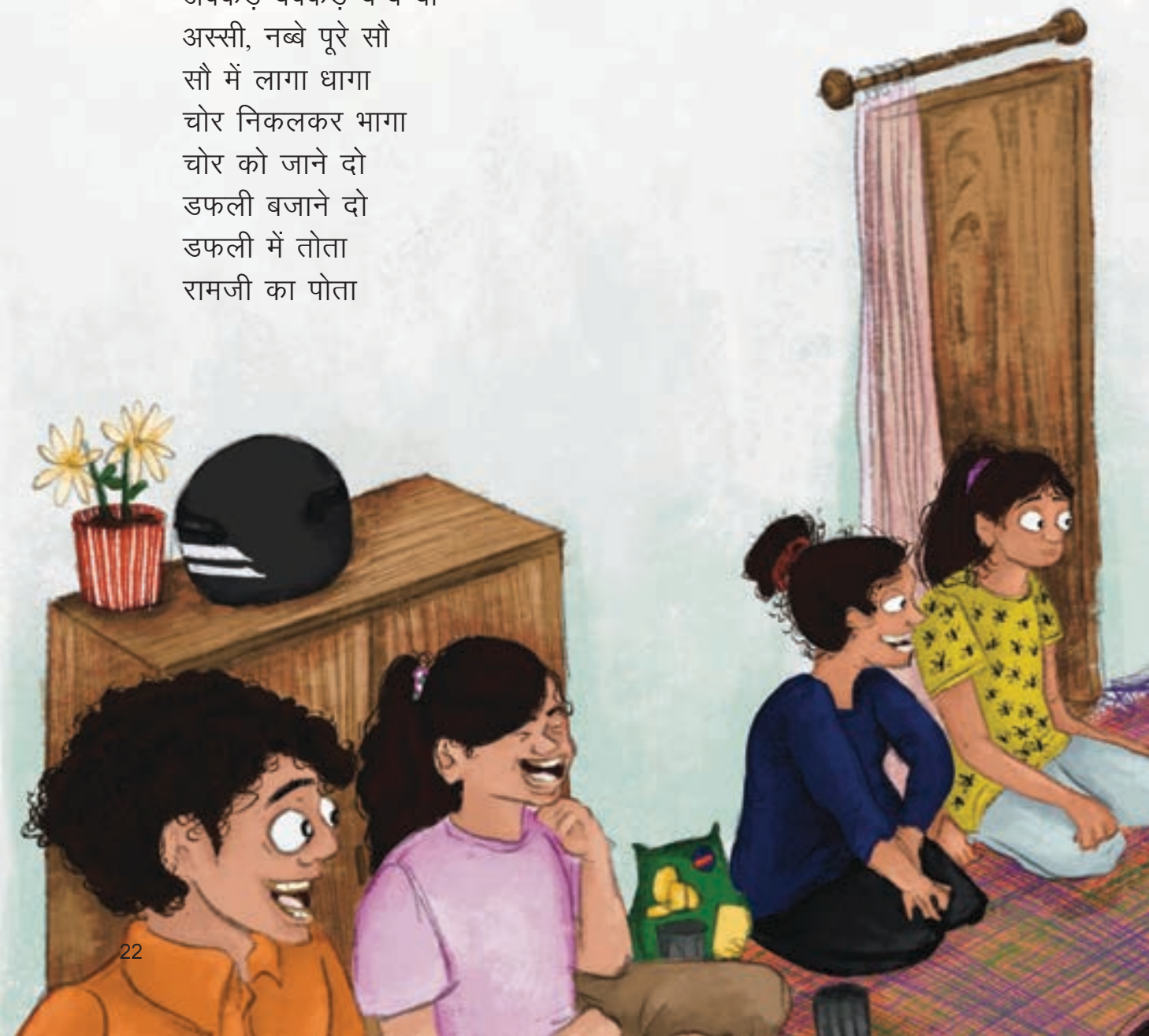

27. अन्ताक्षरी

बैठे-बैठे बोर हुए
करना है कुछ काम
शुरू करो अन्ताक्षरी
लेकर प्रभु का नाम
बोलो राम, राम, राम
बोलो श्याम, श्याम, श्याम
जो जीतेगा उसको मिलेगा ईनाम

28. फूल की घड़ी

फूल की घड़ी बिस्तर पे पड़ी
भैया को अपनी बॉक्सिंग की पड़ी
बॉक्सिंग, बॉक्सिंग, बॉक्सिंग
फूल की छड़ी बिस्तर पे पड़ी
पापा को अपनी ड्यूटी की पड़ी
ड्यूटी, ड्यूटी, ड्यूटी
फूल की छड़ी बिस्तर पे पड़ी
मम्मी को अपने खाने की पड़ी
खाना, खाना, खाना
फूल की छड़ी बिस्तर पे पड़ी
दीदी को अपनी डांसिंग की पड़ी
डांसिंग, डांसिंग, डांसिंग

29. आम चुरी चपा चुरी

आम चुरी चपा चुरी
गरम मसाला पानी पुरी

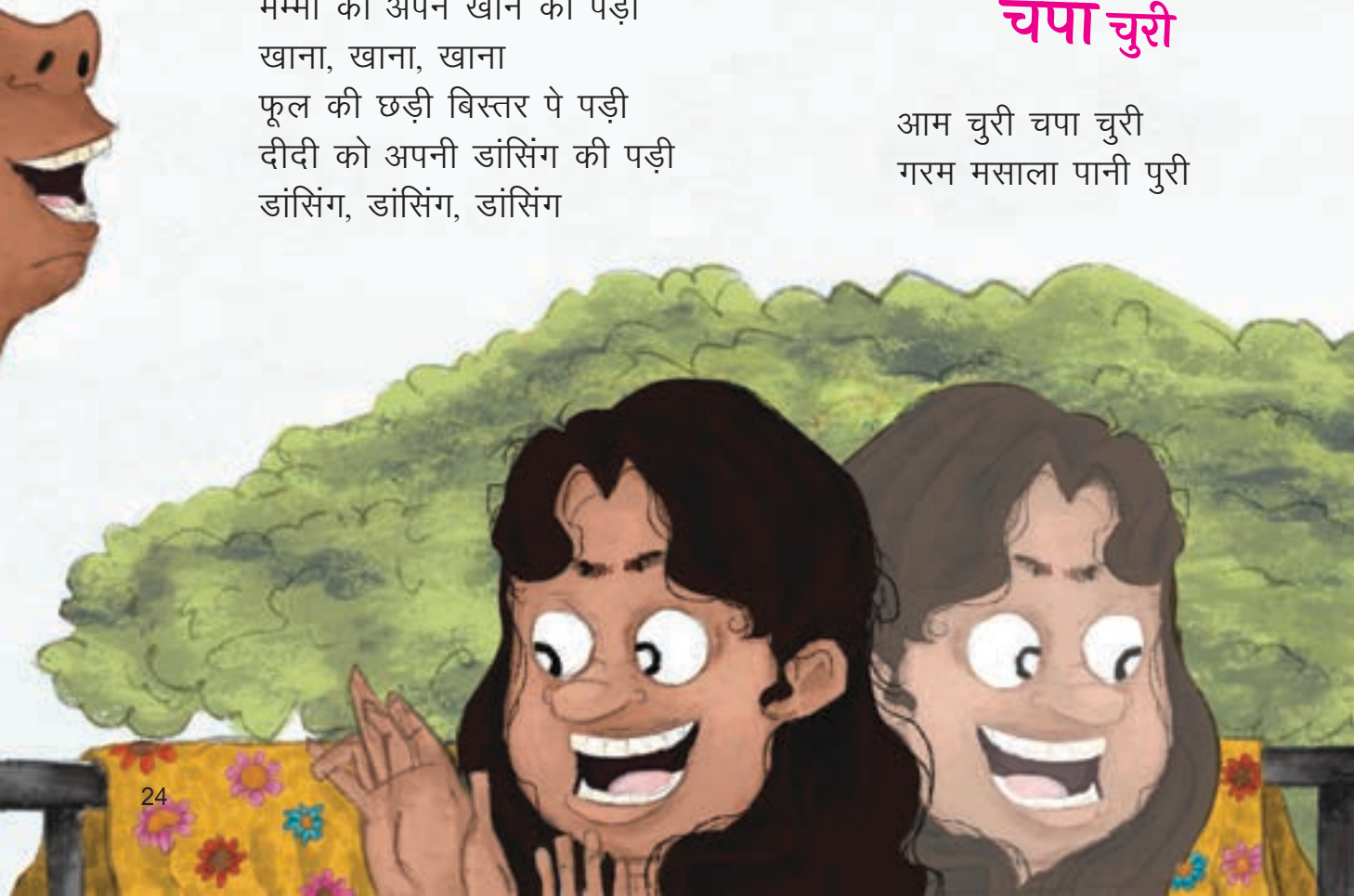

30. हीरो होंडा

हीरो होंडा पुलिस का डण्डा
पुलिस ने मारा कैसे?
हीरो होंडा पुलिस का डण्डा
पुलिस ने मारा ऐसे

31. ज़िप ज़ैप ज़ू

ज़िप ज़ैप ज़ू
ज़िप ज़ैप ज़ू
दोनों हाथ ऊपर
दोनों हाथ नीचे
दोनों हाथ आगे
दोनों हाथ पीछे
ज़िप ज़ैप ज़ू
ज़िप ज़ैप ज़ू

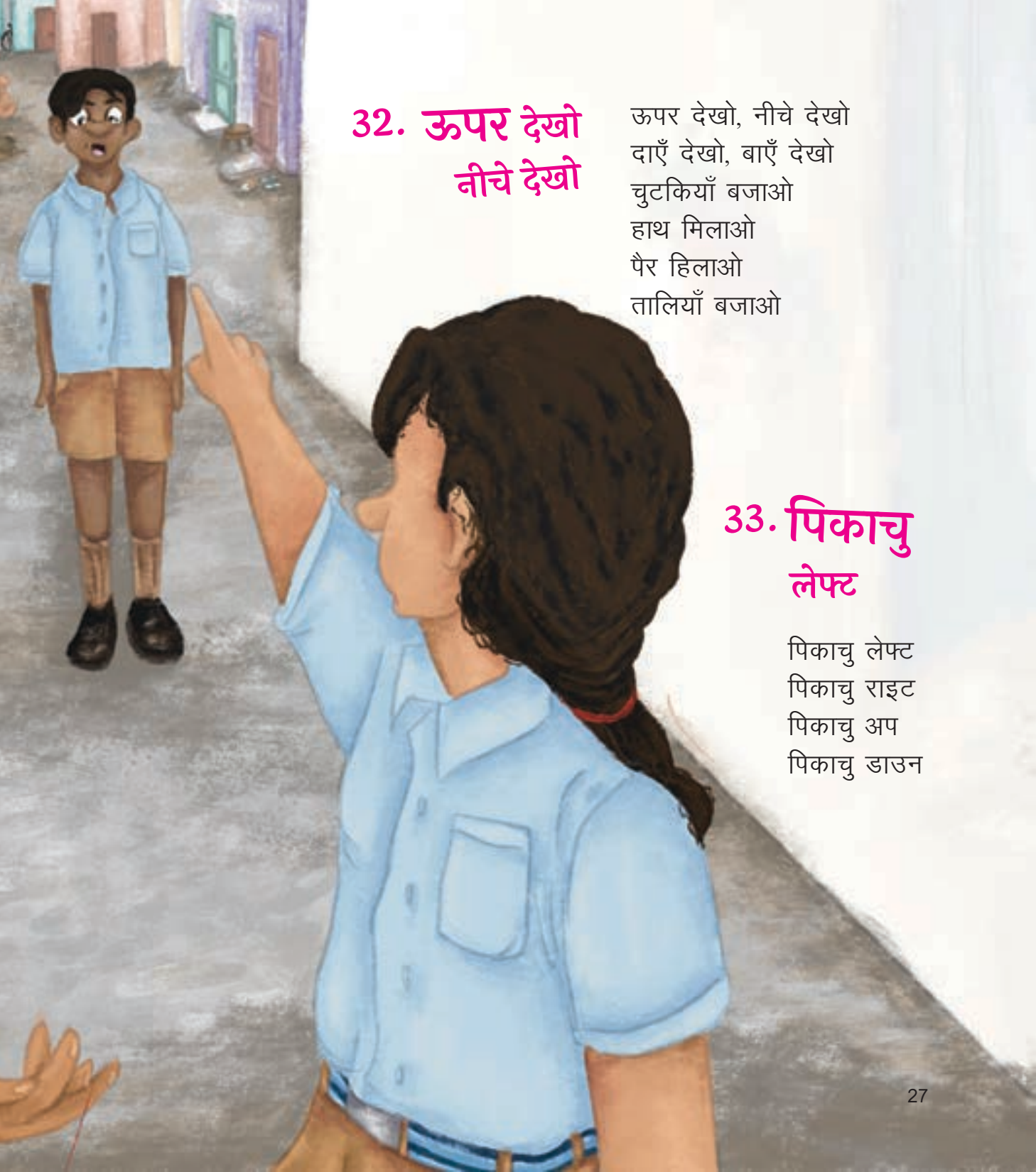

32. ऊपर देखो नीचे देखो

ऊपर देखो, नीचे देखो
दाएँ देखो, बाएँ देखो
चुटकियाँ बजाओ
हाथ मिलाओ
पैर हिलाओ
तालियाँ बजाओ

33. पिकाचु लेफ्ट

पिकाचु लेफ्ट
पिकाचु राइट
पिकाचु अप
पिकाचु डाउन

34. आओ मिलो सीलो सालो

आओ मिलो सीलो सालो
कच्चा धागा रेस लगा लो
आसमान में जाएँगे
दस पत्ते लाएँगे
एक पत्ता कच्चा
हिरन का बच्चा
हिरन गया पानी में
पकड़ा उसकी नानी ने
नानी गई लंदन
वहाँ से लाई कंगन
एक कंगन टूटा
नानी का दिल रूठा
फिर हमने खाई मछली
मछली में काँटा
तेरा-मेरा चाँटा
चाँटा लगा ज़ोर से
हमने खाए समोसे
समोसे बहुत मस्त थे
नानाजी नमस्ते

35. राम के दरबार में

राम के दरबार में
हो रहा था मैच
कुम्भकरण ने छक्का मारा
राम ने किया कैच
राम बोला आउट आउट
सीता बोली गेट आउट

36. टॉम एंड जेरी

टॉम एंड जेरी टॉम एंड जेरी
क्या मिस मैरी क्या मिस मैरी
पियो पेप्सी चलाओ टैक्सी
पियो लिम्का मारो ठुमका
टॉम एंड जेरी टॉम एंड जेरी

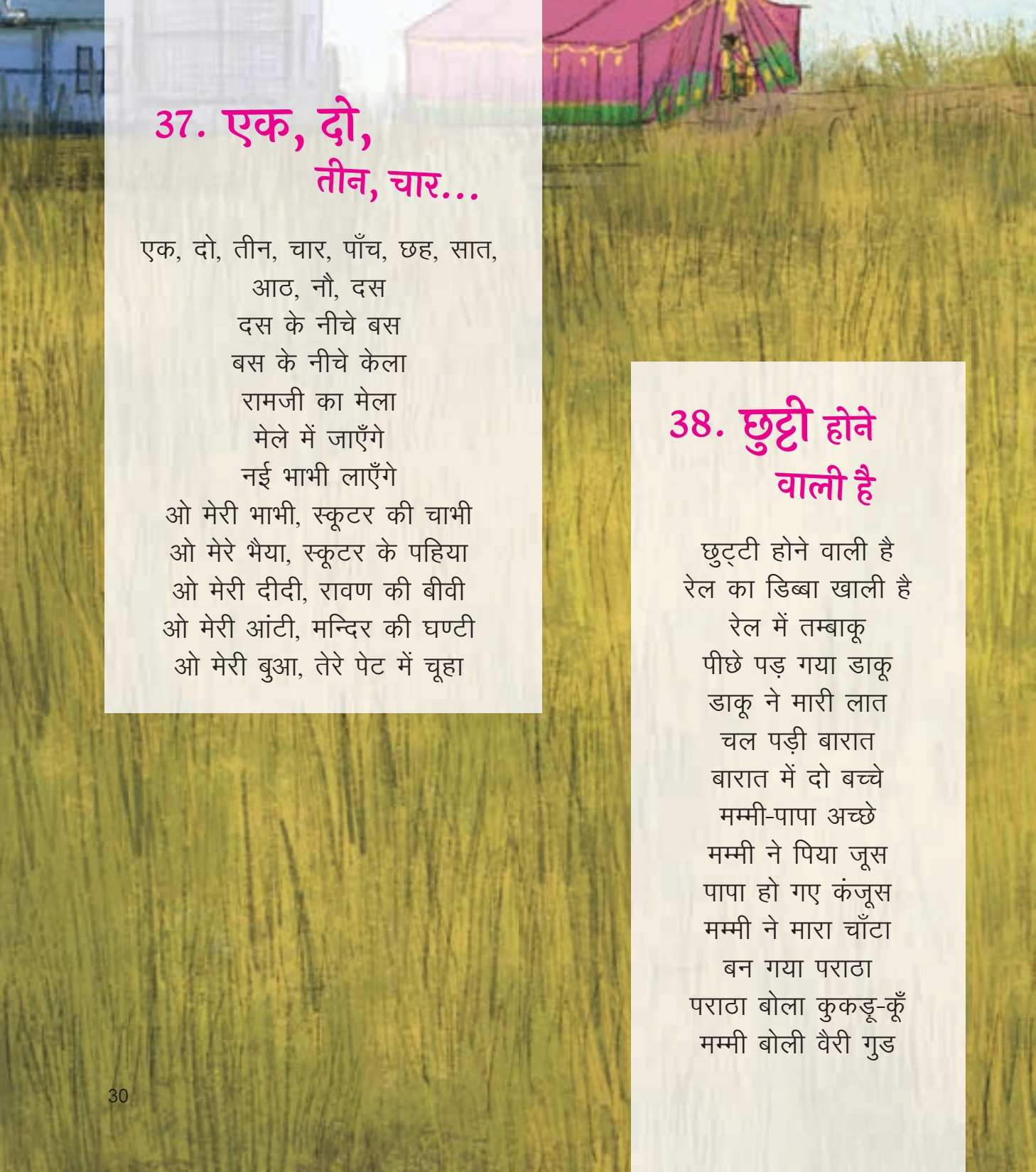

37. एक, दो, तीन, चार...

एक, दो, तीन, चार, पाँच, छह, सात,
आठ, नौ, दस
दस के नीचे बस
बस के नीचे केला
रामजी का मेला
मेले में जाएँगे
नई भाभी लाएँगे
ओ मेरी भाभी, स्कूटर की चाभी
ओ मेरे भैया, स्कूटर के पहिया
ओ मेरी दीदी, रावण की बीवी
ओ मेरी आंटी, मन्दिर की घण्टी
ओ मेरी बुआ, तेरे पेट में चूहा

38. छुट्टी होने वाली है

छुट्‌टी होने वाली है
रेल का डिब्बा खाली है
रेल में तम्बाकू
पीछे पड़ गया डाकू
डाकू ने मारी लात
चल पड़ी बारात
बारात में दो बच्चे
मम्मी-पापा अच्छे
मम्मी ने पिया जूस
पापा हो गए कंजूस
मम्मी ने मारा चाँटा
बन गया पराठा
पराठा बोला कुकड़ू-कूँ
मम्मी बोली वैरी गुड

खेल

1. **अंकलजी नमस्ते**
2. **काँच की प्लेट में**
3. **रिक्शेवाले भैया**

ये तीनों खेल पुगम-पुगाई यानी यह तय करने के लिए खेले जाते हैं कि बज्जी (बारी) किसकी होगी। इनमें सारे बच्चे एक गोला बनाकर खड़े हो जाते हैं। फिर उनमें से कोई भी एक बच्चा सबको गिनते हुए गीत गाता है। जिस भी बच्चे पर गीत का आखिरी शब्द आता है वो खेल से निकल जाता है। जैसे 'अंकलजी नमस्ते' वाले गीत में जिस बच्चे के ऊपर 'डण्डा' शब्द आएगा वो खेल से निकल जाएगा। जो बच्चा आखिर में बचता है बज्जी उसकी होती है।

4. **ईच पीच प्ले पम**

इस खेल को पुगम-पुगाई के लिए खेलते हैं। इसमें सभी बच्चे एक गोला बनाकर खड़े हो जाते हैं। फिर कोई भी एक बच्चा सबको छूते हुए इस गीत को गाता है। जिस भी बच्चे पर 'बेस्ट फ्रेंड' शब्द आता है वह किसी भी दूसरे बच्चे का नाम लेता है और वह जिसका भी नाम लेता है वह खेल से बाहर हो जाता है। जो भी आखिर में बचता है बज्जी उसकी होती है।

5. **बबल गम बबल गम**

इस खेल को पुगम-पुगाई के लिए खेलते हैं। इसमें सभी बच्चे गोला बनाकर खड़े हो जाते हैं। फिर कोई भी एक बच्चा सबको छूते हुए इस गीत को गाता है। जिस भी बच्चे पर 'खाओगे' शब्द आता है उसे कोई भी एक संख्या बोलनी होती है। जैसे- यदि उस बच्चे ने 'चार' कहा, तो फिर पुगम-पुगाई करने वाला बच्चा चार तक गिनती करता है और जिस पर भी चार आता है वह बाहर हो जाता है। ऐसे ही खेल आगे बढ़ता है। अन्त में जो बचता है बज्जी उसकी होती है।

6. **इस दुनिया में तेरा दोस्त**

इस खेल को पुगम-पुगाई के लिए खेलते हैं। इसमें सभी बच्चे गोला बनाकर खड़े हो जाते हैं। फिर कोई भी एक बच्चा सबको छूते हुए इस गीत को गाता है। जिस बच्चे पर गीत का आखिरी शब्द 'होगा' आता है वह साथ खेलने वाले बच्चों में से किसी भी एक का नाम जल्दी से लेता है। और वह जिसका भी नाम लेता है वो बच्चा खेल से निकल जाता है। जो भी आखिर में बचता है बज्जी उसकी होती है।

7. **एक, दो, तीन, फिर चार, पाँच, छह**
8. **आजू कूचा**
9. **काँच की प्लेट में**

इन तीनों खेलों को अमूमन दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। दोनों बच्चे आमने-सामने खड़े होकर एक-दूसरे के हाथों पर तालियाँ मारते हुए गीत गाते हैं। और गीत पूरा होते ही खेल खत्म हो जाता है।

10. **इची बिची सोना लीची**

इस खेल को आम तौर पर दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। दोनों बच्चे आमने-सामने खड़े होकर एक-दूसरे के हाथों पर तालियाँ मारते हुए गीत गाते हैं। जब 'नाम क्या, नाम क्या?' वाली लाइन आती है तब दोनों बच्चे एक-दूसरे से नाम पूछते हैं। और जब आखिरी वाली लाइन 'हरा करेला काला फूल' आती है तो वे अपने हाथों से फूल बनाते हैं और जो भी पहले फूल बना लेता है वह जीत जाता है।

11. **एक सिलाई, दो सिलाई**

इस खेल को आम तौर पर दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। दोनों आमने-सामने खड़े होकर कभी सीधे, कभी अपने हाथों को ऊपर-नीचे करके, कभी अपने दाएँ हाथ से साथी के बाएँ हाथ पर, तो कभी अपने बाएँ हाथ से साथी के दाएँ हाथ पर तालियाँ मारते हैं और गीत गाते जाते हैं। जब आखिरी दो लाइनें 'किसने कहा धक्का लगा, इच्छु ने कहा धक्का लगा' आती हैं, तो दोनों साथी एक-दूसरे को धीरे से धक्का देकर खेल खत्म करते हैं। इच्छु की जगह पर आप अपने किसी भी साथी का नाम ले सकते हो।

12. **इची बिची बीच का पत्ता**

इस खेल को आम तौर पर दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। दोनों बच्चे आमने-सामने खड़े होकर एक-दूसरे के हाथों पर तालियाँ मारते हुए गीत गाते हैं। जब आखिरी लाइन आती है तब दोनों बच्चे अपने डोले दिखाते हुए कहते हैं, 'कबड्डी खेले नौजवान' और खेल खत्म करते हैं।

13. **हरा दुपट्टा पीपल पत्ता**

इस खेल में कई सारे बच्चे गोला बनाकर बैठते हैं। एक बच्चा हाथ में रूमाल लेकर इन बच्चों के पीछे चलता है और बोलता है, 'हरा दुपट्टा'। बैठे हुए बच्चे बोलते हैं, 'पीपल पत्ता'। एक-दो बार ऐसे ही बोलते हैं। फिर वो बच्चा किसी भी बच्चे के पीछे रूमाल फेंककर भागने लगता है। जिस बच्चे के पीछे रूमाल गिरता है वह रूमाल हाथ में लेकर उस बच्चे के पीछे भागता है। बैठे हुए बच्चे बोलते हैं, 'एक के पीछे चोर, एक के पीछे चोर'। अगर वह पहले वाले बच्चे को पकड़ लेता है तो पहला बच्चा आउट हो जाता है। लेकिन अगर वह बच्चा बीच में ही थक जाता है तो वो बैठे हुए बच्चों में से किसी एक को धप्पा करके उसकी जगह पर बैठ जाता है। फिर जो बच्चा उठता है वह पहले वाले बच्चे को पकड़ने के लिए दौड़ता है।

14. **एक लड़की**

इस खेल को कई बच्चे मिलकर खेलते हैं। सभी साथी एक गोले में खड़े होते हैं और कोई एक बच्चा सिर झुकाकर बीच में बैठ जाता है। फिर गोले में खड़े साथी इस गीत को गाते हैं। गीत खत्म होने पर गोले के अन्दर बैठा हुआ बच्चा उठकर सबको पकड़ता है और सभी बच्चे भागते हैं। जिस भी साथी को वह पकड़ लेता है उसकी बज्जी आ जाती है। इसी तरह खेल चलता रहता है।

15. **कोकिला छिपके**

इस खेल को बच्चे समूह में खेलते हैं। सभी बच्चे एक गोला बनाकर बैठ जाते हैं। फिर उनमें से कोई भी एक बच्चा गोले के बाहर कपड़ा लेकर घूमता है और सभी बच्चे गीत गाते हैं। फिर वो बच्चा बैठे हुए बच्चों में से किसी एक के पीछे कपड़ा रखकर भागने लगता है। फिर जिसके पीछे कपड़ा होता है वो उस बच्चे को पकड़ने की कोशिश करता है। यदि वह उस बच्चे को गोले में बैठने से पहले पकड़ लेता है तो उसकी बज्जी नहीं होती। और अगर उसके पकड़ने से पहले वो बच्चा गोले में बैठ जाए तो कपड़े वाले बच्चे की ही बज्जी होती है। इसी तरह खेल चलता रहता है।

16. **क्विक-क्विक किसकी क्विक**

इस खेल को कई बच्चे मिलकर खेलते हैं। सभी बच्चे गोला बनाकर खड़े हो जाते हैं। फिर उनमें से कोई एक बच्चा ताली बजाते हुए कहता है, 'क्विक-क्विक'। दूसरा कहता है, 'किसकी क्विक'। तब तीसरा बच्चा कहता है, 'मेरी क्विक'। फिर चौथा बच्चा कहता है, 'किसके नेम'। फिर उससे अगला बच्चा किसी भी एक चीज़ का नाम लेता है, जैसे- 'कलर्स नेम'। फिर सभी बच्चे एक-एक करके कलर के नाम बोलते जाते हैं। जिसको किसी कलर का नाम नहीं आता वह कहता है, 'चेंज प्लीज़'। अगर वह जल्दी से 'चेंज प्लीज़' नहीं बोलता है तो वह खेल से बाहर हो जाता है। इसी तरह खेल चलता रहता है।

17. **वी आर टू गो टू**

इस खेल को कई बच्चे मिलकर खेलते हैं। सभी बच्चे एक बड़ा-सा गोला बनाकर खड़े हो जाते हैं। सब एक-दूसरे का हाथ पकड़कर ऊपर-नीचे हिलाते हुए गाते हैं, 'वी आर टू गो टू इन द पेरिस'। फिर उनमें से एक बच्चा बोलता है, 'वन अ पेरिस'। तो दूसरा बच्चा कहता है 'टू अ पेरिस'। ऐसा फोर तक कहते हैं। फिर पाँचवाँ बच्चा कहता है, 'ऑन द गेस्ट बेबी, बेबी ऑन द गेस्ट' और उसके बाद वाला बच्चा किसी भी चीज़ का नाम लेता है, जैसे- 'फ्रूट्स नेम'। फिर सभी बच्चे एक-एक करके फ्रूट का नाम लेते हैं। अगर किसी

बच्चे को फ्रूट का नाम याद ना आए तो उसे जल्दी से कहना होता है, 'प्लीज़ चेंज बेबी, प्लीज़ चेंज'। फिर दूसरा बच्चा टॉपिक चेंज कर देता है। अगर वह जल्दी से ऐसा नहीं कहता तो वह गेम से बाहर हो जाता है। इसी तरह खेल आगे बढ़ता है। सारे बच्चों के आउट होने पर ही यह खेल खत्म होता है।

18. **चिकनी थी सड़क**

इस खेल को अमूमन दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। दोनों साथी आमने-सामने खड़े होकर एक-दूसरे के हाथों पर तालियाँ मारते हुए गीत गाते हैं। आखिरी लाइन 'देखा है पहली बार, साजन की आँखों में प्यार' को दोनों साथी गाने की तरह गाते हैं और खेल को खत्म करते हैं।

19. **बस के नीचे केला**

इस खेल को अमूमन दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। दोनों बच्चे आमने-सामने खड़े होकर तालियाँ बजाते हुए गीत गाते हैं। जब यह लाइन आती है 'मछली में काँटा, तेरा-मेरा चाँटा' तो दोनों बच्चे एक-दूसरे को हल्के से चाँटा मारते हैं। और जब आखिरी लाइन आती है 'समोसे में आलू, नाना बड़े चालू' तब दोनों बच्चे एक-दूसरे को देखकर हँसते हैं और खेल खत्म करते हैं।

20. **ऊँच-नीच का पापड़ा**

इस खेल को बच्चे समूह में खेल सकते हैं। सभी बच्चे एक घेरा बनाकर खड़े हो जाते हैं। फिर एकदम से 'ऊँचा' कहकर किसी भी ऊँची जगह पर चढ़ जाते हैं और जो बच्चा आखिरी में नीचे बचता है बज्जी उसकी होती है। फिर जितने भी बच्चे ऊँचे पर खड़े होते हैं वे बार-बार ऊपर-नीचे, ऊपर-नीचे करते रहते हैं। अगर ऊँची जगह वाला बच्चा नीचे हो और नीचे वाला बच्चा उसे छू ले, तो फिर बज्जी उसकी हो जाती है। तब फिर वो नीचे हो जाता है और नीचे वाला बच्चा ऊँचाई पर चढ़ जाता है। इसी तरह खेल चलता रहता है।

21. **गुड़ चिपक-चिपक**

इस खेल को चार से पाँच बच्चे खेल सकते हैं। खेलते समय एक बच्चा अपनी हथेली हवा में रखता है और बाकी सब बच्चे उसकी हथेली के नीचे अपनी एक-एक उँगली रखते हैं। जिसकी हथेली हवा में होती है वह इस गीत को गाता है। जैसे ही वह आखिरी शब्द कहता है सभी अपनी उँगली जल्दी से हटा लेते हैं। जिसकी उँगली उसकी पकड़ में आ जाती है वह आउट हो जाता है। जो आखिर में बचता है उसे फिर से खेल शुरू करना होता है।

22. **कटी पतंग तेरा कौन-सा रंग**

इस खेल में अमूमन छह बच्चे होते हैं। पाँच बच्चे लाइन में खड़े हो जाते हैं और छठवें बच्चे से पूछते हैं, 'कटी पतंग, तेरा कौन-सा रंग? लोहा-लक्कड़, तेरा कौन-सा ढंग?' वह बच्चा किसी भी एक रंग और आकृति का नाम बोलता है। बाकी बच्चे उस रंग और उस आकृति की चीज़ को छूने के लिए दौड़ते हैं। अगर कोई बच्चा उस चीज़ को छू नहीं पाता तो वह आउट हो जाता है और खेल शुरू करने की उसकी बारी आ जाती है।

23. **हरा समन्दर गोपी चन्दर**

इस खेल को आम तौर पर दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। दोनों साथी आमने-सामने खड़े होकर एक-दूसरे के हाथों पर तालियाँ मारते हुए गीत गाते हैं। 'कितना पानी' वाली लाइन में दोनों एक-दूसरे को हाथों से इशारा करते हुए पूछते हैं और खेल खत्म करते हैं।

24. **बूढ़ी अम्मा**

इस खेल को कई बच्चे मिलकर खेलते हैं। सभी बच्चे एक-दूसरे के हाथ पकड़कर छोटा-सा गोला बना लेते हैं। कोई एक बच्चा बूढ़ी अम्मा बनने की ऐक्टिंग करता है। बाकी बच्चे बूढ़ी अम्मा से कहते हैं, 'बूढ़ी अम्मा, बूढ़ी अम्मा, कहाँ जा रही हो'। बूढ़ी अम्मा कहती है, 'नदी किनारे'। फिर बच्चे कहते हैं, 'नदी तो ये रही'। तब बूढ़ी अम्मा कहती है, 'ये तो छोटी है'। फिर बच्चे कहते हैं, 'पैसे डालो, बड़ी हो जाएगी'। बूढ़ी अम्मा नदी में पैसे डालने की ऐक्टिंग करती

है। बच्चे थोड़ा बड़ा गोला बनाते हैं। फिर बूढ़ी अम्मा कहती है, 'ये तो अभी भी छोटी है'। बच्चे कहते हैं, 'और पैसे डालो और बड़ी हो जाएगी'। बूढ़ी अम्मा और पैसे डालने की ऐक्टिंग करती है। बच्चे अपने हाथों से और बड़ा गोला बनाते हैं। फिर बूढ़ी अम्मा किन्हीं भी बच्चों के पास जाकर उनके हाथों पर मारते हुए बोलती है, 'यहाँ का ताला तोड़ूँगी', तो बच्चे कहते हैं, 'मम्मी को बुलाएँगे, पापा को बुलाएँगे'। फिर बूढ़ी अम्मा एक हाथ से ताला तोड़ने की ऐक्टिंग करती है और गोले के अन्दर चली जाती है। वहाँ वह बच्चों से पूछती है, 'रोटी बना लूँ'। बच्चे कहते हैं, 'बना लो'। फिर आखिर में वह बच्चों से कहती है, 'मेरा घी ला दो', तो बच्चे कहते हैं, 'मेरे हाथ में मेहँदी लगी है, मेरे पैरों में दर्द है'। तब बूढ़ी अम्मा कहती है, 'मैं ही जा रही हूँ, लेकिन तुम मेरे खाने का ध्यान रखना'। बूढ़ी अम्मा के जाते ही बच्चे सारा खाना खा जाते हैं। बूढ़ी अम्मा आकर पूछती है, 'मेरा खाना किसने खाया?' तो बच्चे कहते हैं, 'बिल्ली ने, चूहे ने'। उस पर बूढ़ी अम्मा कहती है, 'बिल्ली मेरे साथ थी, चूहा मेरे साथ था'। फिर सभी बच्चे चिल्लाकर कहते हैं, 'हमने, हमने' और भाग जाते हैं। बूढ़ी अम्मा उन्हें पकड़ने दौड़ती है। जो बच्चा पकड़ा जाता है उसकी बारी आती है बूढ़ी अम्मा बनने की। इसी तरह खेल चलता रहता है।

25. **छब्बीस जनवरी**

इस खेल को कई बच्चे मिलकर खेलते हैं। सभी बच्चे एक गोला बनाकर बैठते हैं और छब्बीस जनवरी बोलते हुए अपनी हथेलियों को हवा में घुमाकर ज़मीन पर फैला देते हैं। उनमें से कोई भी एक बच्चा एक से छब्बीस तक गिनती गाते हुए सारी उँगलियों को गिनता है। जिसकी भी उँगली पर छब्बीस आता है वह अपनी उँगली को मोड़ देता है। जिसकी सारी उँगलियाँ सबसे पहले मुड़ जाती हैं, वह विजेता होता है। उसके बाद सभी अपने हाथों को हवा में हिलाते हुए छब्बीस जनवरी बोलकर खेल खत्म करते हैं।

26. **अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो**

इस खेल को बच्चे समूह में खेल सकते हैं। इसमें सभी बच्चे अपने हाथों को ज़मीन पर फैलाते हैं। एक साथी गीत गाते हुए सबके हाथ की गिनती करता जाता है। जिस साथी के ऊपर गीत का आखिरी शब्द आता है वह उसके हाथ पर च्यूँटी काटते हुए पूछता है, 'चींटा या चींटी'। अगर वह 'चींटा' बोलता है तो च्यूँटी काटने वाला साथी उसका हाथ उठाकर उसी के सिर के ऊपर रखता है, और अगर वह 'चींटी' बोलता है तो वह उससे दूसरे साथी का कान पकड़ने के लिए कहता है। इसी तरह खेल चलता रहता है। अन्त में सभी साथी एक-दूसरे के कान पकड़कर या सिर पर हाथ रखकर एक साथ हिलने लगते हैं और हँसते हैं।

27. **अन्ताक्षरी**

इस खेल को कई बच्चे मिलकर खेल सकते हैं। कोई भी एक बच्चा सभी को गिनते हुए इस गीत को गाता है। जिस भी बच्चे पर आखिरी शब्द 'ईनाम' आता है वह 'म' अक्षर से शुरू होने वाला गाना गाता है। जिस अक्षर पर उसका गाना खत्म होता है, अगला साथी उसी अक्षर से शुरू होने वाला गाना गाता है। जो साथी जल्दी ही उस अक्षर से शुरू होने वाला गाना नहीं गा पाता वह खेल से बाहर हो जाता है। इसी तरह खेल चलता रहता है और जो आखिरी में बचता है वह जीत जाता है।

28. **फूल की घड़ी**

इस खेल को अमूमन दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। दोनों साथी आमने-सामने खड़े होकर एक-दूसरे के हाथों पर तालियाँ मारते हुए गीत गाते हैं। जब यह लाइन आती है 'बॉक्सिंग, बॉक्सिंग, बॉक्सिंग', तो वे एक-दूसरे की तरफ देखकर बॉक्सिंग करने की ऐक्टिंग करते हैं। इसी तरह 'ड्यूटी, ड्यूटी, ड्यूटी' वाली लाइन आने पर वे अपने हाथों को कन्धे पर रखकर ड्यूटी जाने की ऐक्टिंग करते हैं। और फिर 'डांसिंग, डांसिंग, डांसिंग' लाइन आने पर डांस करते हुए खेल खत्म करते हैं।

29. **आम चुरी चपा चुरी**

यह खेल हाथों और पैरों दोनों से खेला जाता है। इसे दो बच्चे मिलकर खेल सकते हैं। दोनों साथी आमने-सामने खड़े होकर एक-दूसरे की हथेली पर ताली मारते हुए गीत गाते हैं। फिर वे इन्हीं लाइनों को दुबारा गाते हुए पैरों से खेलते हैं। यानी कि एक बच्चा अपना बायाँ पैर दूसरे बच्चे के दाएँ पैर से टकराता है। गीत गाते हुए वे इसी तरह अपने पैरों को आगे-पीछे करते रहते हैं। फिर दोनों में से कोई भी एक बच्चा अचानक से 'स्टॉप' बोल देता है और स्टॉप कहते ही दोनों बच्चे स्टैच्यू से हो जाते हैं। फिर दोनों में से जो पहले हिलता है वह आउट हो जाता है। इस खेल को समूह में भी इसी तरह खेलते हैं।

30. **हीरो होंडा**

इस खेल को अमूमन दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। दोनों आमने-सामने खड़े हो जाते हैं। फिर दोनों में से कोई एक बच्चा अपने एक हाथ को हिलाते हुए कहता है, 'हीरो होंडा, पुलिस का डण्डा, पुलिस ने मारा कैसे?' फिर दूसरा साथी भी अपने हाथों को हिलाते हुए कहता है, 'हीरो होंडा, पुलिस का डण्डा, पुलिस ने मारा ऐसे' और दूसरे साथी को मारते हुए खेल खत्म करता है।

31. **ज़िप ज़ैप ज़ू**

इस खेल को आम तौर पर दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। आमने-सामने खड़े होकर वे एक-दूसरे का हाथ पकड़कर हिलाते हुए बोलते हैं, 'ज़िप ज़ैप ज़ू, ज़िप ज़ैप ज़ू'। फिर आगे गीत में वे जैसा-जैसा कहते हैं, वैसा ही करते भी जाते हैं। जैसे- जब वे कहते हैं, 'दोनों हाथ ऊपर' तो दोनों हाथ ऊपर करके ताली बजाते हैं। जब कहते हैं, 'दोनों हाथ नीचे' तो दोनों हाथ नीचे करके ताली बजाते हैं। इसी तरह खेल आगे बढ़ता है। आखिर में फिर से दोनों 'ज़िप ज़ैप ज़ू' कहके हाथ हिलाते हुए खेल खत्म करते हैं।

32. **ऊपर देखो नीचे देखो**

यह खेल सिर्फ दो बच्चे खेल सकते हैं। दोनों आमने-सामने खड़े होकर गीत गाते हैं और वे जैसा-जैसा कहते हैं, वैसा ही करते भी जाते हैं। जैसे 'ऊपर देखो' वाली लाइन में ऊपर देखते हैं और 'तालियाँ बजाओ' वाली लाइन में तालियाँ बजाते हैं।

33. **पिकाचु लेफ्ट**

इस खेल को दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। दोनों आमने-सामने खड़े होकर एक-दूसरे के हाथों पर तालियाँ मारते हुए गीत गाते हैं। जैसा वे कहते हैं, वैसे ही वे ताली बजाते हैं। जैसे- 'पिकाचु लेफ्ट' कहने पर दोनों अपने लेफ्ट हाथ से ताली बजाते हैं। इसी तरह, 'पिकाचु डाउन' कहने पर दोनों हाथों को नीचे करके ताली बजाते हैं। वे जल्दी-जल्दी गीत गाते हैं और अगर कोई साथी अप की जगह डाउन करके ताली बजा दे या लेफ्ट की जगह राइट करके ताली बजा दे तो वह आउट हो जाता है।

34. **आओ मिलो सीलो सालो**

इस खेल को दो बच्चे मिलकर खेल सकते हैं या फिर इसे समूह में भी खेला जा सकता है। यदि दो बच्चे खेल रहे हों तो दोनों आमने-सामने खड़े होकर कभी सीधे, कभी अपने हाथों को ऊपर-नीचे करके, कभी अपने दाएँ हाथ से साथी के बाएँ हाथ पर, तो कभी अपने बाएँ हाथ से साथी के दाएँ हाथ पर तालियाँ मारते हैं। समूह में खेलने पर बच्चे गोले में खड़े होते हैं। वे अपने अगल-बगल के साथी के हाथों पर तालियाँ मारते हैं और गीत भी गाते जाते हैं। जब 'मछली में काँटा, तेरा-मेरा चाँटा' लाइन आती है तो बच्चे एक-दूसरे के गाल पर चाँटा मारते हैं। फिर तालियाँ बजाते हुए खेल को जारी रखते हैं। आखिरी लाइन में बच्चे एक-दूसरे को नमस्ते करके खेल को खत्म करते हैं।

35. **राम के दरबार में**

इस खेल को दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। आमने-सामने खड़े होकर दोनों एक-दूसरे के हाथों पर तालियाँ मारते हुए गीत गाते हैं। 'सीता बोली गेट आउट' इस लाइन के आने पर दोनों एक-दूसरे को गेट आउट बोलकर खेल को खत्म करते हैं।

36. **टॉम एंड जेरी**
टॉम एंड जेरी

इस खेल में सिर्फ दो बच्चे होते हैं। दोनों बच्चे आमने-सामने खड़े होकर कभी सीधे, कभी अपने हाथों को ऊपर-नीचे करके, कभी अपने दाएँ हाथ से साथी के बाएँ हाथ पर, तो कभी अपने बाएँ हाथ से साथी के दाएँ हाथ पर तालियाँ मारते हुए गीत गाते हैं। 'पियो पेप्सी' वाली लाइन में दोनों पहले पेप्सी पीने की ऐक्टिंग करते हैं। फिर टैक्सी चलाने की ऐक्टिंग करते हैं। इसी तरह 'पियो लिम्का' वाली लाइन में पहले लिम्का पीने की ऐक्टिंग करते हैं। फिर एक-दूसरे को ठुमका मारते हैं और देखते हैं कि किसने ज़ोरदार ठुमका मारा है और हँसते हैं। इसके बाद पहली लाइन दुहराते हैं और खेल खत्म करते हैं।

37. **एक, दो, तीन, चार...**

इस खेल को दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। दोनों एक-दूसरे के हाथों पर तालियाँ मारते जाते हैं और गीत गाते जाते हैं। जब यह लाइन आती है 'ओ मेरी बुआ तेरे पेट में चूहा' तो दोनों साथी एक-दूसरे के पेट में गुदगुदी करते हैं और हँसते हुए खेल खत्म करते हैं।

38. **छुट्टी होने वाली है**

इस खेल को ज़्यादातर बच्चे स्कूल की छुट्टी होने के समय खेलते हैं। अमूमन इसे दो बच्चे मिलकर खेलते हैं। दोनों बच्चे आमने-सामने खड़े होकर एक-दूसरे के हाथों पर तालियाँ मारते हुए इस गीत को गाते हैं। जब आखिरी लाइन आती है तो दोनों साथी अपने हाथ को नाक के पास ले जाकर 'कुकडू-कूँ' बोलकर खेल खत्म करते हैं।

संकलन व लेखन

लावण्या: छठवीं कक्षा

लावण्या ने अंकुर के साथ जुड़कर ना सिर्फ कई खेलगीत लिखे, बल्कि खेलकर दिखाए भी। तब इनकी उम्र महज़ 8 साल थी और चौथी कक्षा में पढ़ रही थीं। गुनगुनाते रहना इनका शौक है। बड़ी होकर गायिका बनना चाहती हैं।

सिद्धि: पाँचवीं कक्षा

सात साल की उम्र में सिद्धि अंकुर आने लगी थीं। तब तीसरी कक्षा में पढ़ रही थीं। इन्हें खेलना तो पसन्द है ही, कुकिंग करना भी जानती हैं। बीच-बीच में कहानियों की किताबें भी पढ़ लेती हैं।

इच्छा: आठवीं कक्षा

चौथी क्लास और 8 साल की उम्र में इच्छा अंकुर से जुड़ीं और अपनी आवाज़ के कारण सभी के आकर्षण का केन्द्र बन गईं। इनके गाए खेलगीत पर सभी का ध्यान रहता था।

प्रिया: पाँचवीं कक्षा

अंकुर से जुड़ते वक्त प्रिया 8 साल की थीं और तीसरी कक्षा में पढ़ रही थीं। इन्हें नकल उतारने और ऐक्टिंग करने का शौक है। कहानियों की किताबें पढ़ना भी इन्हें पसन्द है। अपने आसपास की चीज़ों को अपनी कहानी में बखूबी दर्ज़ करना भी जानती हैं।

काजल: नौवीं कक्षा

खेलगीत के सफर की शुरुआत काजल ने 10 साल की उम्र में की थी। तब ये पाँचवीं कक्षा में थीं। अपने खेल को एक चित्रकार की तरह सबके सामने रखती थीं। ऐसे भी चित्रकारी करती हैं।

लक्ष्मी: छठवीं कक्षा
तीसरी क्लास में पढ़ने वाली लक्ष्मी 8 साल की उम्र में अंकुर आई थीं। इन्हें बातें करना और हाथ से कुछ न कुछ बनाना अच्छा लगता है। खेलने में अव्वल तो हैं ही।

सौरभ: आठवीं कक्षा
अंकुर से जुड़ते वक्त इनकी उम्र 10 साल थी। तब ये पाँचवीं कक्षा में पढ़ रहे थे। चित्रकारी के शौकवश अपनी कहानियों के चित्र भी बनाते हैं। खेलने का मौका गँवाना इन्हें पसन्द नहीं है।

योगेश: आठवीं कक्षा
चौथी क्लास में पढ़ने वाले योगेश 10 साल की उम्र में दिल्ली शहर आए थे। तब इन्हें यहाँ के खेल समझ नहीं आते थे। पर कुछ ही दिनों में ये यहाँ के खेलों में माहिर हो गए। खेलगीत के सफर के साथ इन्होंने कहानियाँ भी लिखीं और ऐक्टिंग भी की।

चंदन: छठवीं कक्षा
जब चंदन तीसरी कक्षा में और 7 साल के थे तो इन्हें हिन्दी बोलने में मुश्किल होती थी। दिल्ली से पंजाब आए चंदन को चित्रकारी का शौक है। खाली वक्त में अपने ग्रुप के साथियों के साथ कहानी को दीवार पर उतारने की कोशिश करते रहते हैं।

श्रुति: नौवीं कक्षा
अंकुर से जुड़ते वक्त श्रुति की उम्र 10 साल थी। तब ये पाँचवीं कक्षा में पढ़ती थीं। श्रुति को कहानी लिखकर दूसरों को सुनाना बेहद पसन्द है। ये अपनी कहानियों को गाने की तरह गाकर भी सुना लेती हैं। श्रुति को भूतों की कहानियाँ लिखना और पढ़ना बेहद पसन्द है।

महक: छठवीं कक्षा

नौ साल की महक जब अंकुर आई थीं तो चौथी क्लास में पढ़ रही थीं। बेझिझक होकर मोहल्ले और सेंटर में अपनी कहानियाँ और खेलगीत सुनाया करती हैं।

सागर: छठवीं कक्षा

सात साल के सागर को डांस करने के साथ-साथ कहानी लिखना भी अच्छा लगता है। दादा-दादी और नाना-नानी से सुनी कहानियों को कॉपी में दर्ज़ भी करते हैं और अपने दोस्तों के बीच सुनाते भी हैं।

पायल: पाँचवीं कक्षा

पायल तीसरी क्लास में थीं जब अंकुर आई थीं। अपनी कहानी को चित्र के ज़रिए उभारना इन्हें बखूबी आता है। इन्हें खेलने के साथ-साथ दूसरों को सुनना भी पसन्द है। अपने साथियों को चित्र बनाने में मदद करना भी इन्हें भाता है।

रितिका: पाँचवीं कक्षा

रितिका 8 साल की उम्र और तीसरी कक्षा में अंकुर आई थीं। इन्हें मिट्टी में खेलना व मिट्टी के खिलौने बनाना भी पसन्द है। सेंटर आकर कहानियाँ सुनाना इन्हें पसन्द है। कहानी सुनाने का मौका मिलते ही सबसे पहले अंकुर सेंटर आ धमकती हैं।

ज्योति: आठवीं कक्षा

ज्योति 9 साल की थीं, जब अंकुर आई थीं। बहुत शर्मीली और चुप रहने वाली थीं। इन्हें कहानियाँ लिखने के साथ-साथ चित्र बनाने का भी शौक है। अपना काम निपटाकर साथियों को चित्र बनाने में मदद भी करती हैं।

ईशा कौर: सातवीं कक्षा

अंकुर से जुड़ते वक्त ईशा 10 साल की थीं और चौथी में पढ़ती थीं। इन्हें कहानी लिखने और डांस का बहुत शौक है। स्कूल के तमाम फंक्शन में पूरी तरह हिस्सेदारी करती हैं, फिर चाहे वह कहानी सुनाना हो, डांस करना हो या सजाने का काम हो।

प्रिया: सातवीं कक्षा

जब प्रिया अंकुर सेंटर आई थीं तो इनकी उम्र 10 साल थी। तब ये चौथी में पढ़ती थीं। स्कूल में इनका दाखिला किसी कारण से लेट हुआ था। ग्रुप में हमेशा ही सबसे पहले कहानी लिखकर सुनाती और चित्र भी उतारा करती हैं।

रितु: छठवीं कक्षा

इनकी उम्र महज़ 9 साल थी जब ये अंकुर से जुड़ी थीं। उस वक्त ये चौथी में पढ़ती थीं। इन्हें कहानियाँ लिखना बहुत अच्छा लगता है। कहानियाँ लिखते वक्त हमेशा गुनगुनाया करती हैं। साथ ही दूसरों की कहानियाँ सुनने में भी रुचि रखती हैं।

गुनगुन: छठवीं कक्षा

जब अंकुर आई थीं तब इनकी उम्र 10 साल थी और ये चौथी में पढ़ती थीं। हमेशा ग्रुप में बैठकर चित्र बनाना पसन्द करती हैं। कहानियों की किताबें पढ़ना तो इन्हें पसन्द है ही, अपनी लिखी हुई कहानियों के चित्र भी बनाया करती हैं।

अंकुर बच्चापीडिया शृंखला

बड़ों का नहीं, बच्चों का ज्ञानकोश। ऐसा ज्ञान जो अक्सर बच्चों के लिए बनाई गई किताबों में नहीं मिलता। ये बच्चों के कुतूहल, उत्सुकताओं, जिज्ञासाओं, खोजों और उनके समाधान की जगह है।

एकलव्य

अंकुर

parag

मूल्य: ₹ 110.00

9 789394 552906